क्या यूक्रेन पर की गई ताजा कार्रवाई ने पश्चिमी देशों और रूस के बीच शीत युद्ध को फिर से शुरू कर दिया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने वहां से निकलने के अमेरिकी प्रस्ताव को मानने से इनकार कर जोर देकर कहा है कि वह राजधानी में ही रहूंगा।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 76 दिनांक: 27-02-2022 रविवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

एयर इंडिया के विमान से यूक्रेन में फंसे 219 भारतीय छात्र शनिवार की शाम मुंबई पहुंच गए। इनमें से 44 छात्र गुजरात के हैं। इन्हें गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम की दो बसों से राज्य के लिए ले जाया जा रहा है।

कीव में सड़कों पर घमासान, राष्ट्रपति ने कहा हम आखिरी दम तक लड़ने वाले हैं

कीव (ईएमएस)। रूसी सैनिकों ने यूक्रेन की राजधानी कीव में प्रवेश कर सड़कों पर घमासान शुरू हो गया है। इस बीच स्थानीय अधिकारियों ने लोगों से खिड़कियों से दूर रहने और सही जगह पनाह लेने की अपील की है। इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति ने वहां से निकलने के अमेरिकी प्रस्ताव को मानने से इनकार कर जोर देकर कहा है कि वह राजधानी में ही रहूंगा। उन्होंने कहा, यहां जंग जारी है। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि कीव में सैनिक कितनी दूर आगे बढ़ चुके है। यूक्रेनी अधिकारियों ने हमलों को रोकने में कुछ सफलता हासिल करने की सूचना दी, लेकिन राजधानी के पास लड़ाई जारी रही। दो दिनों के घमासान के बाद हुई झड़पों में सैकड़ों लोग हताहत हुए हैं और पुलों, विद्यालयों और अपार्टमेंट की इमारतों को भारी नुकसान हुआ है।

अमेरिकी अधिकारियों का मानना है, कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन की सरकार को उखाड़ फेंकने और इस अपने शासन के अधीन करने को कृतसंकल्प हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फिर से आश्वासन दिया कि देश की सेना रूसी आक्रमण का सामना करेगी। कीव में एक सड़क पर रिकॉर्ड की गई वीडियो में, उन्होंने कहा कि उन्होंने शहर नहीं छोड़ा है और यह दावा झूठा है कि यूक्रेनी सेना हथियार डाल देगी। उन्होंने कहा, हम हथियार नहीं डालने जा रहे हैं। हम अपने देश की रक्षा करने वाले हैं। उन्होंने कहा, ''सच्चाई यह है कि यह हमारी जमीन है, हमारा देश है, हमारे बच्चे हैं। और हम उस सबका बचाव करने वाले है। यह हमला दुनिया का नया नक्शा खींचने और मॉस्को के शीत युद्ध काल के प्रभाव को पुनर्जीवित करने के लिए पुतिन के सबसे साहसिक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है। इसके परिणामस्वरूप, इस आक्रमण को समाप्त करने के लिए नए अंतरराष्ट्रीय प्रयास शुरू हुए हैं, जिनमें पुतिन पर सीधे तौर पर प्रतिबंध भी शामिल हैं। विस्फोटों और बंदूकों की आवाज से दहल रहे कीव का भविष्य अधर में है।

एक वरिष्ठ अमेरिकी खुफिया अधिकारी के अनुसार अमेरिकी प्रशासन की ओर से जेलेंस्की को कीव से निकल जाने की सलाह दी गई है, लेकिन उन्होंने इस ठुकरा दिया है। अधिकारी इस मामले से सीधे तौर पर जुड़े हैं। अधिकारी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति को उद्धृत किया, ''युद्ध जारी है और उन्हें तोप-रोधी गोला-बारूद चाहिए न कि भाग निकलने की सलाह। इस बीच कीवी अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे कहीं पनाह ले लें। खिड़कियों से दूर रहें और उड़ते हुए मलबों एवं गोलियों से बचने के लिए सावधानी बरतें। क्रेमलिन ने कीव के बातचीत के प्रस्ताव को मंजूर किया है, लेकिन प्रतीत होता है कि यह प्रयास राजनयिक समाधान के बजाय उलझे जेलेंस्की को दबाव में लाकर विवश करना है। रूसी सेना ने शुक्रवार को दक्षिणी यूक्रेन के मेलितोपोल शहर पर अपना दावा करते हुए आगे बढ़ना जारी रखा। फिर भी, युद्ध में यह स्पष्ट नहीं था कि यूक्रेन का कितना हिस्सा अभी भी यूक्रेनी नियंत्रण में है और कितने हिस्से पर रूसी सेना ने कब्जा कर लिया।

भीषण लड़ाई के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से की बात,

नई दिल्ली । संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस के खिलाफ वोटिंग प्रक्रिया में भारत के अनुपस्थित रहने के कुछ ही घंटे बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से टेलीफोन पर बात की। पीएम मोदी ने यूक्रेन पर हमले से जान-माल को हुए नुकसान को लेकर गहरा क्षोभ प्रकट किया और हिंसा को जल्द-से-जल्द समाप्त करते हुए बातचीत से समाधान निकालने की बात कही। जेलेंस्की की तरफ से बताया गया है कि उन्होंने पीएम मोदी से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यूक्रेन को राजनीतिक मदद देने की मांग की है।

भारत सरकार की तरफ से बताया गया है कि राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूक्रेन की मौजूदा स्थिति के बारे में पीएम मोदी को विस्तार से बताया। मोदी ने अपनी तरफ से शांति स्थापित करने और सभी पक्षों के बीच बातचीत शुरू करवाने में योगदान देने की पेशकश की है। पीएम मोदी ने यूक्रेन में पढ़ाई करने वाले अपने छात्रों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने यूक्रेन प्रशासन की मदद भी मांगी, ताकि इन छात्रों को शीघ्रता से वहां से निकाल कर स्वदेश लाया जा सके।

जेलेंस्की ने ट्विटर पर बताया कि पीएम नरेन्द्र मोदी से बात हुई है। मैंने रूस की तरफ से यूक्रेन पर किए घृणास्पद हमले की सूचना दी। हमारी जमीन पर एक लाख से ज्यादा आक्रमणकारी अभी मौजूद हैं। वे रिहाइशी इलाकों पर लगातार गोलाबारी कर रहे हैं। भारत से हमने सुरक्षा परिषद में यूक्रेन को राजनीतिक मदद देने की अपील की है। हमें साथ मिलकर इस आक्रमण को रोकना होगा।

यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की यूक्रेन के राष्ट्रपति से यह पहली बातचीत है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच पिछले तीन दिनों में दो बार बात हुई है, जिसमें भारत ने मुख्य तौर पर अपने नागरिकों व छात्रों की सुरक्षित वापसी का मुद्दा उठाया है। पीएम मोदी की राष्ट्रपति पुतिन से भी गुरुवार को देर रात बात हुई थी और इसमें भारतीय छात्रों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया गया था।

दरअसल भारत ने दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष और रूस के खिलाफ पश्चिमी मुल्कों की लामबंदी पर तटस्थ रुख अपनाए हुए है। भारत ने रूस के हमले की निंदा करने वाले और यूक्रेन से बिना शर्त रूसी सैनिकों को वापस बुलाने की मांग वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव पर हुए मतदान से बायकाट किया। भारत का कहना है कि दोनों देशों के बीच मतभेदों को दूर करने के लिए बातचीत ही एकमात्र विकल्प है। चिंता यह है कि मौजूदा गतिरोध को हल करने के लिए कूटनीति का रास्ता नहीं अपनाया जा रहा है।

बता दें कि शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हुए मतदान में उक्त प्रस्ताव के पक्ष में 11 मत पड़े। भारत, चीन और संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई ने मतदान से दूर बनाए रखी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने मतदान पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि भारत मौजूदा घटनाक्रम पर बेहद चिंतित है। हमारी अपील है कि हिंसा और शत्रुता को रोकने की दिशा में तुरंत प्रयास किए जाने चाहिए। हालांकि रूस के वीटो के चलते यह प्रस्ताव सुरक्षा परिषद में पारित नहीं हो सका।

रोमानिया पहुंचे 219 भारतीय छात्रों को लेकर एयर इंडिया की फ्लाइट मुंबई एयरपोर्ट पहुंची

मुंबई (ईएमएस)। यूक्रेन से रोमानिया पहुंचे 219 भारतीय छात्रों को लेकर एयर इंडिया की फ्लाइट मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंच गई है। इस फ्लाइट ने रोमानिया से उड़ान भरी थी, क्योंकि रूस के हमले के कारण यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बंद है। यह उड़ान सुरक्षित मुंबई पहुंच गई है। मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा, हमारे बच्चे सुरक्षित स्वदेश पहुंच गए हैं। बीएमसी ने उनकी सुविधा के लिए सभी इंतजाम किए हैं। पेडनेकर ने कहा कि उनके अस्थायी तौर पर रहने-खाने, कोरोना टेस्टिंग समेत सभी तरह के इंतजाम बीएमसी करेगी और उसका खर्च भी उठाएगी। रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट से सुरक्षित लाए गए भारतीय छात्रों ने विदेश मंत्रालय के अधिकारियों की प्रशंसा भी की है। उनका कहना है कि उनका अच्छे से ख्याल रखा गया। हालांकि अभी भी बहुत से भारतीय छात्र यूक्रेन में फंसे हुए हैं और गोलाबारी के बीच बंकरों में शरण लिए हुए हैं। भारत सरकार उन सभी की सुरक्षित वापसी में जुटी हुई है।

वहीं यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने सभी नागरिकों से कहा है कि वो खुद अकेले सीमावर्ती इलाकों की ओर न जाएं। उन्हें लगातार अधिकारियों के संपर्क में रहने को कहा गया है। अभी भी हजारों भारतीय छात्र यूक्रेन में फंसे हुए हैं। उनके पास खाने-पीने और अन्य जरूरी सामान की कमी महसूस हो रही है। भारतीय छात्र अपने वीडियो के जरिये मदद की गुहार लगा रहे हैं। यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने ट्वीट कर बताया था कि कई सारे सीमावर्ती चेकपोस्ट पर हालात संवेदनशील बने हुए हैं। उन्हें पड़ोसी देशों के जरिये निकालने के लिए सभी संबंधित देशों से समन्वय किया जा रहा है।

तेलंगाना के नलगोंडा में हेलिकॉप्टर क्रैश दो पायलट की मौत

नलगोंडा (ईएमएस)। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में हेलिकॉप्टर क्रैश में दो पायलट की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हेलिकॉप्टर हवा में बेकाबू होकर खेत में क्रैश हो गया था। घटना के समय विमान में एक पायलट और एक प्रशिक्षु पायलट सवार थे। तेलंगाना पुलिस ने पुष्टि की है कि दुर्घटना में एक पायलट की मौत हो गई थी, जबकि दूसरे ने अस्पताल में दम तोड़ा। सूत्रों के अनुसार, हेलिकॉप्टर प्रशिक्षु पायलट चला रहा था। दोनों पायलटों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस विमानन कंपनी से सवार लोगों के बारे में अधिक जानकारी के लिए प्रशिक्षण अकादमी से संपर्क कर रही है। सूत्रों के अनुसार, विमान हैदराबाद के एक उड़ान संस्थान का है, जो आंध्र प्रदेश के नागार्जुन सागर स्थित अपने बेस से भी संचालित होता है। मिली जानकारी के अनुसार, पेद्दावूरा मंडल के तुंगतुर्थी गांव में अपने खेतों में काम कर रहे किसानों ने देखा कि विमान खेतों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वे लोग आनन-फानन में मौके पर पहुंचे।

यूक्रेन की मदद के लिए एकजुट हुआ यूरोपीय संघ, पोलैंड के राजदूत ने कहा- हथियारों समेत मानवीय सहायता की करेंगे आपूर्ति

नई दिल्ली । पोलैंड के राजदूत एडम बुराकोव्स्की ने शनिवार को कहा कि सभी यूरोपीय देश यूक्रेन की मदद के लिए एक जुट हैं। उन्होंने कहा कि कीव की रूस के साथ युद्ध के बीच हम हथियारों समेत मानवीय सहायता से यूक्रेन की मदद के लिए प्रतिबद्ध हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक खास बातचीत में, एडम बुराकोव्स्की ने यूक्रेन में रूस द्वारा सैन्य कार्रवाई की निंदा की है। उन्होंने कहा कि 'पोलैंड यूक्रेन के साथ है, साथ ही अन्य यूरोपीय देश भी रूस के साथ लड़ाई में यूक्रेन को हथियार पहुंचाकर उसकी मदद कर रहे हैं। यूक्रेन एक शांतिपूर्ण देश है और मुझे यकीन है कि कीव मास्को की आक्रामकता का विरोध करता रहेगा।

बुराकोव्स्की ने कहा कि रूस अपने सैन्य बल का इस्तेमाल करके यूक्रेन में लोगों को निशाना बना रहा है। रूसी सेना यूक्रेन के लोगों पर हमला कर रही है। वहीं यूक्रेन अपनी रक्षा के लिए लड़ रहा है। नाटो देशों समेत पोलैंड रूस की कड़ी निंदा करता है। यूक्रेन के साथ युद्ध की परिस्थितियों को देखते हुए, यूरोपीय संघ ने रूसी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं।

यह पूछे जाने पर कि भारत ने यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव से परहेज क्यों किया। तो बुराकोव्स्की ने कहा कि भारत एक स्वतंत्र देश है और वह स्वयं अपने फैसले ले सकता है। उन्होंने कहा कि पोलैंड भारतीयों सहित रूसी कार्रवाई से पीड़ित नागरिकों के लिए अपनी धरती पर शरणार्थियों का स्वागत कर रहा है।

नामीबिया से भारत के जंगलों में आ रहे 35-40 चीते, दोनों देशों के बीच बनी सहमति

नई दिल्ली (ईएमएस)। अफ्रीकी देश नामीबिया से भारत के जंगल को आबाद करने में चीतें आने वाले हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम रहे अधिकारियों ने बताया कि नामीबिया के साथ इस बारे में बातचीत एक कदम और आगे बढ़ गई है। अफ्रीकी देश नामीबिया भारत में 35-40 चीतों को भेजने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गया है। ये अधिकारी अभी हाल ही में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ इस दक्षिण अफ्रीकी देश का दौरा करके लौटे हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय, मध्य प्रदेश और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के एक पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 18 से 22 फरवरी तक नामीबिया का दौरा किया। मध्य प्रदेश में ही सबसे पहले चीतों को रखा जाना है। चीतों को लाने के बारे में भारतीय अधिकारियों की नामीबिया की ये पहली यात्रा थी।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल डब्ल्यूआईआई के डीन यादवेंद्रदेव झाला ने कहा कि नामीबियाई अधिकारियों के साथ हमारी बातचीत के दौरान हमने पांच साल की अवधि में 35-40 चीतों को भेजने के लिए कहा। वे इसके लिए सहमत हो गए हैं। झाला ने कहा कि अगले कदम के तहत भारत में चीतों को लाने के लिए दोनों देशों के पर्यावरण मंत्रालयों के बीच एक समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर करना होगा। एशियाई चीते का भारत के जंगलों से सफाया हो गया था और 1952 में सरकार ने औपचारिक रूप से इसे विलुप्त घोषित कर दिया था। भारत में चीतों को फिर से बसाने की इस परियोजना का उद्देश्य नामीबिया और संभवत: दक्षिण अफ्रीका से भी अफ्रीकी चीतों को बैचों में लाकर भारतीय जंगलों में फिर से बसाना है। देश में कई स्थानों पर जंगलों में उनको बसाने की तैयारी है। झाला ने कहा कि पहले बैच में लाए जाने वाले चीतों की संख्या अभी तय नहीं की गई है। हम 10-12 चीतों को एक साथ लाना चाहते हैं, लेकिन सटीक संख्या चीतों की पेशकश पर निर्भर करेगी। चीतों की पहली खेप को मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क में बसाया जाएगा। पर्यावरण मंत्रालय ने 2021 की शुरुआत में कहा था कि उसने उसी साल नवंबर की शुरुआत में चीतों के पहले बैच को कुनो नेशनल पार्क में लाने की योजना बनाई थी। बाद में देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण इस परियोजना में देरी हुई।

रुस-यूक्रेन की जंग में भारत को लगेगी एक लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली (ईएमएस)। युद्ध यानी नुकसान ही नुकसान है। मानवीय से लेकर आर्थिक तबाही जैसे हर तरह के संकट लेकर युद्ध आता है। लड़ने वाले देशों के साथ-साथ उनसे जुड़े देश भी भारी नुकसान उठाते हैं। इनदिनों रूस और यूक्रेन लड़ रहे हैं, लेकिन हजारों किमी दूर स्थित हमारे देश को भी भारी नुकसान उठाना होगा। युद्ध की वजह से क्रूड ऑयल यानी कच्चे तेल का दाम तेजी से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। इसकारण भारत को करीब एक लाख करोड़ रुपये तक का चपत लगेगी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध खिंचा, जब अगले वित्त वर्ष में सरकार के राजस्व में 95 हजार करोड़ से एक लाख करोड़ रुपये तक कमी आ सकती है। साथ ही घरेलू महंगाई भी बढ़ेगी। क्योंकि सभी वस्तुओं व उत्पादों की कीमतों पर असर होगा।

शोध कंपनी दावा है, इस संकट में भारत को एशिया में सर्वाधिक नुकसान होगा। एसबीआई के समूह प्रमुख आर्थिक सलाहकार सौम्यकांति घोष की रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर 2021 से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ रही है। हालांकि भारत में सरकार ने इस काबू रखा है।अगर कीमत 100 से 110 डॉलर की सीमा में रहती है,तब वैट के ढांचे के अनुसार, पेट्रोल-डीजल की कीमत मौजूदा दर से 9 से 14 रुपये प्रति लीटर अधिक होनी चाहिए। सरकार उत्पाद कर घटा कीमत बढ़ने से रोकती है, तब हर महीने 8,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होगा।अगले वित्त वर्ष में पेट्रोल-डीजल की मांग 8 से 10 प्रतिशत बढ़ती है,,तब पूरे वर्ष में नुकसान एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंचेगा। ये कीमतें महंगाई पर सीधा असर डालेंगी। अप्रैल 2021 में 63.4 डॉलर से तेल की कीमतें जनवरी 2022 में 84.67 डॉलर तक पहुंच गईं, यानी करीब 33.5 फीसदी वृद्धि हुई। यह 100 डॉलर के पारी चली जाती है,तब महंगाई और भी बढ़ेगी।

रूस पर प्रतिबंधों से भारत से निर्यात होने वाली चाय और अन्य नियमित उत्पादों पर भी असर पड़ सकता है।सोने, प्लेटिनम और पैलेडियम जैसी मूल्यवान धातुओं की कीमतों में बढ़ोतरी होगी।यूक्रेन कृषि उत्पादों का बड़ा निर्यातक है। आयात रुका,तब गेहूं-मकई जैसे अनाज के दाम बढ़ सकते हैं।जनवरी में महंगाई दर 6.01 फीसदी पर थी, जो 7 महीने में सर्वाधिक है।

हेल्थकेयर सिस्टम में रिफॉर्म के प्रयास जारी, एक भारत एक स्वास्थ्य की भावना से कर रहे काम : मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि हम स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचे पर काम कर रहे हैं, जो केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है। हम एक भारत एक स्वास्थ्य का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा सबसे पहले तो आप सभी को दुनिया के सबसे बड़े वैक्सीनेशन मिशन को सफलतापूर्वक चलाने के लिए 130 करोड़ देशवासियों की तरफ से मैं बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन हो, फिट इंडिया मिशन हो, पोषण मिशन हो, मिशन इंद्रधनुष हो, आयुष्मान भारत हो, जल जीवन मिशन हो, ऐसे सभी मिशन को हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों तक लेकर जाना है।

उन्होंने कहा कि ये बजट बीते 7 साल से हेल्थकेयर सिस्टम को रिफॉर्म और ट्रांसफॉर्म करने के हमारे प्रयासों को विस्तार देता है। हमने अपने हेल्थकेयर सिस्टम में एक समग्र दृष्टिकोण को अपनाया है। इस समय हमारा फोकस स्वास्थ्य पर हो है ही, कल्याण पर भी उतना ही है। कोरोना वैक्सीनेशन में कोविन जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से हमारी डिजिटल टेक्नोलॉजी का लोहा पूरी दुनिया ने माना है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, कंज्यूमर और हेल्थकेयर प्रोवाइडर के बीच एक आसान इंटरफेस उपलब्ध कराता है।

इससे देश में उपचार पाना और देना, दोनों बहुत आसान हो जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि जब हम हेल्थ सेक्टर में समग्रता की बात करते हैं तो इसमें तीन कारकों का समावेश कर रहे हैं। पहला आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और ह्यूमेन रिसोर्स का विस्तार। दूसरा आयुष जैसी पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धति में अनुसंधान को प्रोत्साहन करना। तीसरा आधुनिक और भविष्य की तकनीक के माध्यम से देश के हर व्यक्ति, हर हिस्से तक बेहतर और सस्ती स्वास्थ्य सेवा सुविधाएं पहुंचाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि क्रिटिकल हेल्थकेयर सुविधाएं ब्लॉक स्तर, ज़िला स्तर और गांवों के नज़दीक हों। इस इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाए रखना और समय-समय पर अपग्रेड करना जरूरी है।

इसके लिए प्राइवेट सेक्टर और दूसरे सेक्टर्स को भी ज्यादा ऊर्जा के साथ आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि प्राइमरी हेल्थकेयर नेटवर्क को सशक्त करने के लिए डेढ़ लाख हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स के निर्माण का काम भी तेज़ी से चल रहा है। अभी तक 85,000 से अधिक सेंटर्स रुटीन चेकअप, वैक्सीनेशन और टेस्ट की सुविधा दे रहे हैं। इस बार के बजट में इनमें मेन्टल हेल्थकेयर की सुविधा भी जोड़ी गई है।

मोदी ने कहा जैसे-जैसे हेल्थ सर्विस की डिमांड बढ़ रही है, उसके अनुसार ही हम स्किल्ड हेल्थ प्रोफेशनल्स तैयार करने का भी प्रयास कर रहे हैं, इसलिए बजट में हेल्थ एजुकेशन और हेल्थकेयर से जुड़े ह्युमेन रिसोर्स डेवलपमेंट के लिए पिछले साल की तुलना में बड़ी वृद्धि की गई है।

जामताड़ा में बराकर नदी में डूबी नाव, महिला का शव बरामद 13 लोग लापता

रांची (ईएमएस)। झारखंड के जामताड़ा जिले की बराकर नदी में हुए नाव हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग लापता हो गए हैं। पटना से एनडीआरएफ की टीम जामताड़ा पहुंची और लापता लोगों की तलाश शुरू की गई है। गुरुवार शाम को हुए नाव हादसे के दो दिन बाद आज शनिवार को एक महिला का शव बरामद किया गया है। जूता, चप्पल व महिला बैग भी बरामद किया गया है। एक बाइक बरामद की गई है। डूबी हुई नाव बाहर निकाल ली गई है।

एंबुलेंस से महिला का शव ले जाया जा रहा था। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने एंबुलेंस पर पथराव किया। काफी मशक्कत के बाद शव को सदर अस्पताल भेजा गया। जामताड़ा नाव हादसे में लापता 14 लोगों में शनिवार को एक महिला का शव बरामद किया गया है। एक बाइक बरामद की गयी है। डूबी हुई नाव बाहर निकाल ली गयी है। मृत महिला का नाम स्नेहा खातून (पति-रसीद अंसारी, श्यामपुर, जामताड़ा) बताया जा रहा है। देवघर और रांची की गोताखोर टीम नदी में डूबे लोगों की खोजबीन में शुक्रवार सुबह से ही जुटी थी। आज पटना से एनडीआरएफ की टीम लापता लोगों को खोजने के लिए पहुंची।

जामताड़ा जिले में गुरुवार की शाम अचानक आये आंधी-तूफान के कारण बीरबेंदिया की ओर से वीरगांव-श्यामपुर गांव की ओर आ रही एक नाव के पलट जाने से उस पर सवार 19 लोग डूब गये थे। 8 बाइक भी डूब गयी थी। 19 में से पांच लोग तो तैरकर किसी तरह बाहर आ गये थे, लेकिन 14 लोग लापता थे। इनमें एक महिला का शव बरामद कर लिया गया है। काफी मशक्कत के बाद महिला के शव को सदर अस्पताल भेजा गया।

अय्यर और जडेजा का कमल, भारत ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया

धर्मशाला (ईएमएस)। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में 17 गेंद शेष रहते भारत ने सात विकेट से शानदार जीत हांसिल की। टीम इंडिया की यह लगातार 11वीं जीत है। टॉस हारकर पहले खेलते हुए श्रीलंका ने पांच विकेट पर 183 का स्कोर बनाया। जीत के लिए 184 रन के टारगेट का पीछा करते हुए टीम इंडिया ने 17.1 ओवर में 3 विकेट खोकर 186 रन बना लिए। श्रेयस अय्यर ने नाबाद 74 (44 गेंद) और रवींद्र जडेजा ने नाबाद 45 (18 गेंद) रन बनाए। संजू सैमसन ने 39 रन की पारी खेली। टी-20 इंटरनेशनल में यह भारत की लगातार 11वीं जीत है। अब भारत वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी से सिर्फ 1 जीत दूर है। अफगानिस्तान ने लगातार 12 टी-20 मैच जीते हैं। भारत ने घरेलू जमीन पर इस फॉर्मेट में लगातार सातवीं सीरीज अपने नाम की है।

टारगेट का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही और पहले ही ओवर में दुष्मंता चमीरा ने कप्तान रोहित शर्मा (1) को बोल्ड कर दिया। पिछले मैच के हीरो ईशान किशन 16 रन बनाकर लाहिरु कुमारा की गेंद पर आउट हुए। तीसरे विकेट के लिए श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन ने 47 गेंदों पर 84 रन जोड़कर पारी को संभाल लिया। सैमसन 25 गेंदों पर 39 रन बनाकर बिनुरा फर्नांडो की गेंद पर आउट हुए।

इससे पहले टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए श्रीलंका की शुरुआत शानदार रही। पहले विकेट के लिए पाथुम निसंका और दनुष्का गुणाथिलक ने 52 गेंदों पर 67 रन जोड़े। यह जोड़ी भारत के लिए परेशानियां खड़ी कर रही थी, तभी रवींद्र जडेजा ने गुणाथिलक (38) का विकेट लेकर टीम को पहली कामयाबी दिलाई। उनका कैच लॉन्ग ऑन पर वेंकटेश अय्यर ने शानदार डाइव लगाकर पकड़ा। अगले ही ओवर में युजवेंद्र चहल ने चरिथ असलंका (2) को थैं आउट किया।

कामिल मिशारा (1) का विकेट हर्षल पटेल के खाते में आया। 67 पर पहला विकेट गंवाने वाली श्रीलंका ने देखते ही देखते 76 पर 3 विकेट खो दिए। पूर्व कप्तान दिनेश चंडीमल (9) का विकेट जसप्रीत बुमराह ने लिया। इसी बीच 16वें ओवर में ओपनर निसंका ने अपना अर्धशतक पूरा किया। 102 पर चार विकेट गंवाने के बाद 5वें विकेट के लिए निसंका और शनाका ने 58 रन जोड़े। शानदार बैटिंग कर रहे निसंका 75 रन बनाकर भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर आउट हुए। कप्तान शनाका बढ़िया फिनिश करते हुए 19 गेंदों पर नाबाद 47 रन बनाए।

कार्टून कोना

पुंछ में एलओसी के करीब भारी मात्रा में हेरोइन बरामद पाकिस्तान से हो रही थी तस्करी

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा एलओसी के पास शनिवार को भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की गई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि यह बरामदगी पुलिस और सेना के संयुक्त दल ने बालाकोट सेक्टर के एक सीमावर्ती गांव से की है। उन्होंने कहा कि हेरोइन एक दर्जन से अधिक पॉलीथिन के पैकेट में भरी हुई पाई गई। उन्होंने बताया कि हालांकि, इस संबंध में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है और आगे के विवरण की प्रतीक्षा है। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास शनिवार को भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की गई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि यह बरामदगी पुलिस और सेना के संयुक्त दल ने बालाकोट सेक्टर के एक सीमावर्ती गांव से की है। उन्होंने कहा कि हेरोइन एक दर्जन से अधिक पॉलीथिन के पैकेट में भरी हुई पाई गई। उन्होंने बताया कि हालांकि, इस संबंध में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है और आगे के विवरण की प्रतीक्षा है।

वोटर जाति-धर्म में बंटे हुए हैं और नेता उसका फायदा उठा रहे : प्रियंका गांधी वाड्रा

लखनऊ (ईएमएस)। कांग्रेस महासचिव और यूपी की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने यूपी विधान सभा चुनावों के बीच मतदाताओं से नाराजगी जाहिर कर कहा है कि वहां वोटरों से नाराज हैं क्योंकि वोटर जाति-धर्म में बंटे हुए हैं और नेता उसका फायदा उठा रहे हैं। खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी पर निशाना साधकर उन्होंने कहा कि उनकी हिम्मत कैसे हुई कि आप मुश्किलों में हो और वहां इस पर बात भी नहीं करते। कांग्रेस नेता ने कहा, उनकी हिम्मत कैसे हुई कि 70 लाख नौकरी देने का वादा किया और कोई रोजगार नहीं दिया। प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधकर उन्होंने कहा कि उनकी हिम्मत कैसे हुई कि वहां खुले पशुओं की समस्या पर कुछ नहीं कहते, और कुछ नहीं करते जबकि वहां चाहते,तब पांच मिनट में हेलीकॉप्टर से उस समस्या का जायजा ले सकते थे।

प्रियंका ने कहा, नाराज हूं मैं आपसे, शिकायत है मेरी आपसे, क्योंकि आपने इन नेताओं को हिम्मत दी...आप धर्म-जाति के जाल में फंसे हुए हो...जब तक जाल में फंसे रहोगे.. तब तक प्रधानमंत्री, सीएम, तमाम मंत्री यूं ही धर्म-जाति की बात करेंगे, कोई विकास की बात नहीं करेगा.. नाराज हूं मैं आपसे, शिकायत है मेरी आपसे, क्योंकि आपने इन नेताओं को हिम्मत दी।

बता दें कि उत्तर प्रदेश में चार चरणों का विधान सभा चुनाव हो चुका है, जबकि पांचवें चरण में रविवार (27 फरवरी) को मतदान होना है। इस बार के चुनाव में खुले पशुओं का आतंक एक चुनावी मुद्दा बन गया है। इसके अलावा बेरोजगारी, सरकारी नौकरियों में भर्ती, निःशुल्क राशन, पुरानी पेंशन और महंगाई सहित तमाम मुद्दे भी हावी हैं।

बर्फबारी और भूस्खलन के चलते जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी और कई स्थानों पर भूस्खलन का दौर जारी है जिसके चलते 270 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित हो गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग कश्मीर घाटी को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाली एकमात्र सड़क है, जो हर मौसम में यातायात के लिए खुली रहती है। अधिकारियों के मुताबिक, राजमार्ग के बनिहाल-काजीगुंड सेक्टर में रात भर हिमपात हुआ जबकि रामबन जिले के रोमपड़ी-बनिहाल, शालगढ़-वागन, मौमपासी-रामसू, पंथियाल, डिगडोले, मरूग, मंकी मोड़, कैफेटेरिया मोड़ और महर में भारी बारिश से भूस्खलन और पहाड़ियों से पत्थरों के टूटकर गिरने की घटनाएं हुईं।

भारत ने कभी हमला नहीं किया और ना ही दूसरे देशों की एक इंच जमीन हड़पी - राजनाथ

नई दिल्ली (ईएमएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दावा किया कि भारत दुनिया का 'इकलौता देश' है जिसने कभी हमला नहीं किया और ना ही दूसरे देशों की एक इंच जमीन हड़पी। दिल्ली विश्व विद्यालय के 98वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन के दौरान राजनाथ ने कहा कि भारत की शक्ति दुनिया के कल्याण के लिए है, न कि किसी को डराने के लिए। दीक्षांत समारोह के दौरान 1,73,443 विद्यार्थियों को डिजिटल डिग्री से सम्मानित किया गया। राजनाथ ने कहा, ''हमारा सपना भारत को जगत गुरु बनाना है। हम देश को शक्तिशाली, समृद्ध, ज्ञानी और मूल्यवान बनाना चाहते हैं। भारत इकलौता ऐसा देश है जिसने कभी किसी दूसरे देश पर हमला या उसकी एक इंच जमीन पर कब्जा नहीं किया।''

रक्षा मंत्री के मुताबिक अब दुनिया भी मानती है कि भारत कभी ज्ञान और विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में विश्व में अग्रणी था। उन्होंने कहा कि कई तथाकथित प्रगतिवादी हैं जो देश की सांस्कृतिक उत्कृष्टता को धूमिल करने समेत सवाल खड़े करते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि आजादी के इस अमृत काल में, जब देश आजादी के 75 साल का जश्न मना रहा है, हमें समानता, सद्भाव और ज्ञान की महान परंपरा को याद करना चाहिए और एक साजिश के तहत हमारे अंदर भरे गए जहर को दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने प्राचीन ऋषियों, वैज्ञानिकों और विद्वानों के नामों का हवाला देते हुए कहा कि भारत विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी था, लेकिन सदियों की गुलामी के कारण कई लोग इस बात से अनजान थे। उन्होंने कहा कि 'शून्य' की अवधारणा भारत द्वारा दी गई थी, श्रीधराचार्य ने द्विघात समीकरण दिया था, पाइथागोरस के 300 साल पहले पाइथागोरस प्रमेय बोधायन ने दिया था। उन्होंगे आगे बताया कि इस देश में ईसा मसीह से पहले सर्जरी की गई, कॉपरनिकस से पहले आर्यभट्ट ने पृथ्वी के आकार की व्याख्या करके बता दिया था कि यह अपनी धुरी पर घूमती है।

देश की आध्यात्मिक शक्ति के बारे में बात करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि स्टीव जॉब्स और मार्क जुकरबर्ग जैसे लोग भी मुसीबत के समय शांति के लिए नैनीताल के पास कांची धाम में नीम करोली बाबा के पास गये। उन्होंने युवाओं से देश के हितों के खिलाफ किसी भी गतिविधि में शामिल होने से बचने का संकल्प लेने का आह्वान किया। दोषी आतंकवादियों अफजल गुरु, याकूब मेमन और अमेरिका स्थित ट्विन टावरों के हमलावरों के नामों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यह गलत धारणा है कि आतंकवाद का कारण गरीबी और शिक्षा की कमी है।

जन हितैषी

भारत का रुख

अब जबकि रूस ने यूक्रेन पर हमले शुरू कर दिए हैं, भारत ने अपना निष्पक्ष रुख बरकरार रखा है। यूएन में फिर से भारत ने कहा है कि तनाव को तत्काल कम करने की जरूरत है। भारत के रुख की सराहना करते हुए रूसी राजनयिक ने कहा, भारत ने इस मुद्दे पर जो रुख अपनाया है, रूस इसका स्वागत करता है। भारत एक वैश्विक शक्ति की अपनी स्थिति के अनुसार काम कर रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। रूस ने यूक्रेन पर हमला बोल दिया है। राजधानी कीव समेत लगभग सभी शहरों में बमबारी शुरू हो गई है। यूक्रेन के सैन्य ठिकानों को भी रूस निशाना बना रहा है। यूक्रेन ने भी रूस पर जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने यह भी साफ कर दिया है कि वह अब पीछे हटने वाले नहीं हैं। इस बीच, पूरी दुनिया की निगाहें नाटो और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कदम पर टिक गईं हैं। हालांकि नेटो ने यह भी साफ कर दिया है कि वह फिलहाल सैन्य मदद नहीं करेगा। इसके बाद सभी के मन में यही सवाल है कि अब आगे क्या होगा? क्या ये तीसरे विश्व युद्ध की आहट है? अगर ऐसी स्थिति बनी की भारत को यूक्रेन और रूस में से किसी एक का चुनाव करना होगा तो किसका करेगा? पूरी दुनिया यूक्रेन सीमा पर हजारों रूसी सैनिकों के मूवमेंट पर नजरें गड़ाए हैं। रूस और यूक्रेन के बीच वॉर की आशंका मजबूत होती जा रही है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में विद्रोहियों के कब्जे वाले शहरों डोनेट्स्क और लुहान्स्की को अलग देश की मान्यता देने के बाद सेना भेजने का आदेश कर दिया है। रूस के इस कदम को युद्ध की पहल माना जा रहा है। रूस-यूक्रेन तनाव का असर पूरी दुनिया पर दिख रहा है। एक-एक करके स्टॉक मार्केट्स क्रैश हो रहे हैं, कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, गैस के दाम भी बढ़ने की पूरी संभावना है। इन सबके बीच, अब तक भारत ने रूस के खिलाफ कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उसने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। भारत के इस रुख के पीछे कई वजहें हैं और उनमें पाकिस्तान एक अहम फैक्टर है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव में भारत के किसी का पक्ष न लेने की एक प्रमुख वजह हो सकता है-पाकिस्तान। दरअसल, यूक्रेन और पाकिस्तान के रक्षा संबंध बेहद मजबूत हैं। यूक्रेन ने ही पाकिस्तान को टी-80डी टैंक सप्लाई किए जिसके जवाब में भारत को रूस से टी-90 टैंक हासिल करने के लिए तेजी दिखानी पड़ी। 2020 में पाक के एयर-टू-एयर रीफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट की रिपेयरिंग का ठेका भी यूक्रेन को मिला था। यूक्रेन में पिछले एक दशक से पाकिस्तान के राजदूत के रूप में सेना के किसी पूर्व अधिकारी को तैनात किया गया है। यह सब जाहिर करता है कि पाक और यूक्रेन की दोस्ती गहरी है। पाकिस्तान ने 2018 में रूस से 300 टी-90 टैंक खरीदने चाहे थे मगर उसने मना कर दिया था। उसके बाद 2019 में भारत ने इन टैंकों की खरीद को हरी झंडी दे दी। जब पाकिस्तान मॉस्को से हथियार नहीं खरीद पाया तो उसने यूक्रेन का रुख किया। 2014 के बाद से चीन और यूक्रेन के आर्थिक संबंध भी मजबूत हुए हैं, हालांकि राजनीतिक रूप से वह रूस के साथ खड़ा नजर आता है। भारत ने यूएन में सभी देशों के सुरक्षा हितों का संदर्भ देकर एक तरह से नाटो को लेकर रूस की सुरक्षा गारंटियों की मांग को रजामंदी दे दी है। भारत को डिफेंस हार्डवेयर सप्लाई करने में रूस की अहम जगह है। नई दिल्ली कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहती जिससे मॉस्को और बीजिंग एक-दूसरे के और करीब आएं। यूएन की बैठक में भारत ने यूक्रेन पर बातचीत के जरिए तनाव कम करने पर जोर दिया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा, 'हम सैन्य तनाव का जोखिम नहीं उठा सकते। यूक्रेन की सीमा पर हो रही गतिविधियों पर भारत नजर बनाए हुए है। सभी पक्षों को संयम बरतना चाहिए। यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा की चिंता करनी चाहिए।ळ तिरुमूर्ति ने कहा कि रूसी संघ के साथ यूक्रेन की सीमा पर बढ़ता तनाव गहरी चिंता का विषय है। इन घटनाक्रमों में क्षेत्र की शांति और सुरक्षा खंडित होगी।

यूक्रेनः भारत की तटस्थता ?

यूक्रेन को पानी पर चढ़ाकर अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्र अब उसके साथ झूठी सहानुभूति प्रकट कर रहे हैं। सुरक्षा परिषद में अमेरिका ने रूस की निंदा का प्रस्ताव रखा लेकिन उसे क्या यह पता नहीं था कि उसका प्रस्ताव औंधे मुंह गिर पड़ेगा? अभी तो सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों में से 11 ने ही उसका समर्थन किया था, यदि पूरी सुरक्षा परिषद याने सभी 14 सदस्य भी उसका समर्थन कर देते तो भी वह प्रस्ताव गिर जाता, क्योंकि रूस तो उसका निषेध (वीटो) करता ही! वर्तमान अमेरिकी प्रस्ताव पर तीन छह्लल्छ्ल्हुह्ह– भारत, चीन और यू.ए.ई. ने परिवर्जन (एब्सटैन) किया याने वे तटस्थ रहे। इसका अर्थ क्या हुआ? यही कि ये तीनों राष्ट्र रूसी हमले का न समर्थन करते हैं और न ही विरोध करते हैं। चीन ने अमेरिकी प्रस्ताव का विरोध नहीं किया, यह थोड़ा आश्चर्यजनक है, क्योंकि इस समय चीन तो अमेरिका का सबसे कड़क विरोधी राष्ट्र है। रूस तो उम्मीद कर रहा होगा कि कम से कम चीन तो अमेरिकी निंदा-प्रस्ताव का विरोध जरुर करेगा। जहां तक भारत का सवाल है, उसका रवैया उसके राष्ट्रहित के अनुकूल है। वह रूस-विरोधी प्रस्ताव का समर्थन कैसे करता? अमेरिका और नाटो राष्ट्रों के साथ बढ़ते हुए संबधों के बावजूद आज भी भारत को सबसे ज्यादा हथियार देनेवाला राष्ट्र रूस ही है। रूस वह राष्ट्र है, जिसने शीतयुद्ध-काल में भारत का लगभग हर मुद्दे पर समर्थन किया है। गोवा और सिक्किम का भारत में विलय का सवाल हो, कश्मीर या बांग्लादेश का मुद्दा हो, परमाणु बम का मामला प्र्ह– रूस ने हमेशा खुलकर भारत का समर्थन किया है जबकि यूक्रेन ने संयुक्तराष्ट्र संघ में जब भी भारत से संबंधित कोई महत्वपूर्ण मामला आया, उसने भारत का विरोध किया है। चाहे परमाणु-परीक्षण का मामला हो, कश्मीर का हो या सुरक्षा परिषद में भारत की सदस्यता का मामला हो, यूक्रेन ने भारत-विरोधी रवैया ही अपनाया है। भारत ने उससे जब भी यूरेनियम खरीदने की पहल की, वह उसे किसी न किसी बहाने टाल गया। ऐसी हालत में भारत यूक्रेन को रूस के मुकाबले ज्यादा महत्व कैसे दे सकता था? उसने खुले-आम रूस का साथ नहीं दिया, यह अपने आप में काफी रहा। भारत ने मध्यस्थता का मौका खो दिया, यह उसकी मजबूरी थी, क्योंकि उसके पास कोई अनुभवी और अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से प्रतिष्ठित नेता या राजनयिक ही नहीं है लेकिन वह चाहता तो अपने 20 हजार छात्रों को युद्ध के पहले ही वहां से निकाल लाता। यदि उसके पास व्यावसायिक जहाज उपलब्ध नहीं हैं और उनका किराया बहुत ज्यादा है तो हमारी वायुसेना के जहाज क्या दूध दे रहे हैं? सरकार उन्हें सैकड़ों उड़ान भरने के लिए क्यों नहीं कहती? कीव स्थित हमारे दूतावास की निश्चिंतता सचमुच आश्चर्यजनक है। मुझे नहीं लगता कि रूस का यह हमला कुछ घंटों में खत्म हो जाएगा। यह तब तक चलेगा, जब तक कीव में रूसपरस्त सरकार की स्थापना नहीं हो जाती। यदि वैसा हो गया तो अमेरिका के गले में नई फांस फंस जाएगी। अरबों-खरबों डालरों की मदद की जो घोषणाएं नाटो राष्ट्र अभी कर रहे हैं, क्या तब भी वह यूक्रेन को मिलती रहेगी? रूस पर प्रतिबंधों की घोषणाएं जरुर हो रही हैं लेकिन नाटो राष्ट्रों के लिए भी ये घोषणाएं दमघोंटू ही सिद्ध होंगी। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

27 फरवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

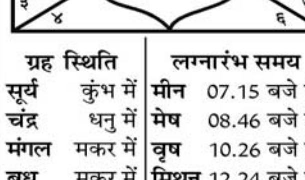

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.15 बजे से
चंद्र	धनु में	मेष	08.46 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	10.26 बजे से
बुध	मकर में	मिथुन	12.24 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	14.37 बजे से
शुक्र	धनु में	सिंह	16.53 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	19.05 बजे से
राहु	वृष में	तुला	21.16 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	23.31 ब.से
		धनु	01.47 बजे से
		मकर	03.52 बजे से
		कुंभ	05.38 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2022 वर्ष का 58 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 08.13 बजे तदनन्तर द्वादशी 05.43 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 08.49 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 17.38 बजे को समाप्त। **करण** बालव 08.13 बजे, कौलव 18.58 बजे तदनन्तर तैतिल 05.43 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 08° 26' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871172 **जूलियन दिन** 2459637.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** रज्जब **तारीख** 25 **विशेष** गौण विजया एकादशी, वैष्णव विजया एकादशी, चन्द्रशेखर आजाद शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हिज़ाब, हंगामा और शिक्षण संस्थान। आखिर हर जगह राजनीति क्यों?

उर्दू के मशहूर शायर मजाज़ लखनवी ने क्या खूब कहा है कि, 'तेरे माथे पे यह आचंल बहुत खूब है लेकिन तू इस आचंल से एक परचम बना लेती तो अच्छा था'।

लेकिन वो कहते है ना कि लड़कियों के दुःख अजब होते हैं, सुख उससे अजब। हँस रही है और काजल भीगता है साथ साथ...! वर्तमान दौर में महिलाओं की स्थिति कुछ इसी तरह की है। महिलाओं के लिए अक़्सर समता समानता की बात होती है, लेकिन क्या वास्तव में ऐसा सम्भव है शायद नहीं...! महिला और पुरुष ईश्वर की एक अनुपम संरचना है। जिसमें महिलाओं को पुरुषों से श्रेष्ठ दैवीय वरदान ईश्वर ने दिए है। स्त्री का कोमल मन माँ बनकर एक नये जीवन का सृजन करना, ये ऐसे वरदान है जो हर परिस्थिति में एक महिला को पुरुष से पृथक करते है। लेकिन यहाँ मुद्दा यह नहीं है कि महिला पुरुष में श्रेष्ठ कौन है? यहां चर्चा समता और समानता की भी नहीं हो रही है। बल्कि वर्तमान दौर में महिलाओं के नाम पर एक अलग ही राजनीति इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। यूं तो महिलाओं को मुद्दा बनाकर राजनीति करना कोई नई बात नहीं है, लेकिन अफ़सोस की महिलाएं खुद इस जंग में मोहरा बनने को बेताब हुए जा रही है। एक तरफ़ इंसान चांद और मंगल पर जीवन की संभावनाएं तलाश रहा है लेकिन दूसरी तरह महिलाओं के कपड़ों के नाम पर राजनीति होना विकृत मानसिकता को प्रदर्शित करता है। क्या कपड़े किसी के व्यक्तित्व की पहचान हो सकते है, बेशक़ नहीं। लेकिन फिर भी देश में इन दिनों एक धर्म विशेष की महिलाओं के कपड़ों के नाम पर राजनीति का बाज़ार गर्म हुए जा रहा है। जिसकी आग कर्नाटक के शिक्षण संस्थानों से देश भर में फैलती जा रही है।

ये सच है कि आज भी देश में महिलाओं को पुरुषों के समान शिक्षा नहीं दी जाती है। खासकर मुस्लिम महिलाओं की बात करें तो उनकी स्थिति तो और बुरी है। ऐसे में कपड़ों के नाम पर शिक्षण संस्थानों में राजनीति करना कहाँ तक उचित है? क्या पहनावा शिक्षा से बढ़कर हो गया है? वैसे देखा जाए तो धर्म कोई भी हो, लेकिन उसके रीति रिवाजों का पालन करने की जिम्मेदारी महिलाओं की ही होती है। पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं को ही मर्यादा की शिक्षा दी जाती है। लक्ष्मण रेखा भी उन्हीं के लिए खींची जाती है। ऐसे में अगर महिलाएं उस सीमा को लांघने का प्रयास करें तो उसके चरित्र पर उंगलियां उठा दी जाती है। यही वजह है कि महिलाएं अक़्सर अपने ख़िलाफ़ हो रहे अन्याय का विरोध तक नहीं कर पाती है। वही इन दिनों राजनीति में नया ही प्रयोग शुरू हो गया है। जहां महिलाओं को मोहरा बनाकर देश में अशांति फैलाई जाती है। यहां बात महिलाओं के हक या अधिकार की नहीं है, बल्कि महिलाओं को आगे करके किस तरह वैश्विक पटल पर देश को बदनाम करने का खेल रचा जाता है। इससे हर कोई वाकिफ़ है। यह बात समझ से परे है कि आख़िर शिक्षण संस्थानों को राजनीति का अखाड़ा क्यों बनाया जा रहा है? यह पहला मामला नहीं है जब शिक्षण संस्थानों में राजनीति का रंग परवान चढ़ा है। देश के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में ही राजनीति का नँगा नाच किया गया और विडंबना देखिए कि देश के बड़े राजनीतिक दल ने उसका समर्थन तक किया। आज एक बार फिर शिक्षण संस्थानों में हिज़ाब को लेकर राजनीति हो रही है। देश को हिन्दू मुस्लिम में बांटने का प्रयत्न किया जा रहा है। ऐसे में कहीं यह तो नहीं कि महिलाओं को शिक्षा से दूर रखने की साज़िश की जा रही हो। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता क्योंकि आज भी देश में आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाएं अपने अधिकारों से वंचित है। हमारे ही देश में पुरुषों का एक वर्ग ऐसा भी है जो महिलाओं को चार दिवारी में कैद रखने की वक़ालत करता है। वह किसी कीमत पर नहीं चाहता कि महिलाओं को समान अधिकार मिले, क्योंकि अगर ऐसा होता है तो उनकी सत्ता छीन जाने का भय बना रहेगा। वह चाहते है कि महिलाएं कमज़ोर बनी रहे। जिस पर वह अपनी हुकूमत चला सके। ऐसे में उल्लेखनीय बात यह है कि महिलाओं को इन सबको समझना होगा। तभी उनका सर्वांगीण विकास सम्भव हो पाएगा।

वैसे हमारे देश में महिलाओं को सदैव बड़ों का सम्मान करने की सीख दी जाती रही है। पर इसके लिए क्या घूंघट या हिज़ाब में रहना जरूरी है। डॉ भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि पर्दा प्रथा की वजह से मुस्लिम महिलाओं में दासता और हीनता की मनोवृत्ति बनी रहती है। पर्दाप्रथा के कारण मुस्लिम महिलाओं के मानसिक व नैतिक विकास में अवरोध उत्पन्न होता है। यह सब जानने समझने के बाद भी मुस्लिम महिलाओं का हिज़ाब को लेकर शिक्षण संस्थानों में विरोध प्रदर्शन करना महज़ राजनीति से प्रेरित लगता है। इतना ही नहीं हमने बचपन से ही यही सीखा और सुना है कि स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में यूनिफॉर्म इसलिए होती, ताकि ऊंच-नीच, अमीर-गरीब और जाति-धर्म का भेद भूलकर बच्चें सिर्फ पढ़ाई कर सकें। फ़िर इस तरीके की बेजा कट्टरता किस काम की? मान लीजिए कोई लड़की हिज़ाब पहनकर स्कूल-कॉलेज तक आ भी गई तो क्लास के भीतर तो उसे निकालकर बैठना स्वाभाविक है। ऐसे में शिक्षण संस्थानों में शिक्षा की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए, न कि अनर्गल प्रलाप की। धर्म हमें बंटाने का काम कर सकता है, लेकिन इंसानियत हमें जोड़ती है।

ऐसे में इसके लिए प्रयास दोनों तरफ से होना चाहिए और बड़े बुजुर्ग भी कहकर गए हैं कि हमें देश-काल और परिस्थितियों के अनुरूप आचरण करना चाहिए। ऐसे में यह लड़कियों को स्वयं सोचना चाहिए कि वे शिक्षण संस्थानों में व्यक्तित्व विकास और शिक्षा के लिए गई हैं या फिर राजनीति का मोहरा बनने। गौरतलब हो कि कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक शिक्षा अधिनियम-1983 की धारा- 133(2) के तहत छात्र छात्राओं को शिक्षण संस्थानों में विश्वविद्यालय प्रशासनिक बोर्ड द्वारा निर्धारित पहनावा पहनने की वक़ालत की है। जिसके पीछे साफ मक़सद है कि शिक्षण संस्थानों में समता व समानता का भाव बना रहे। वहीं भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 में धर्म को मानने उसके रीति रिवाजों का अनुसरण करने की बात कही गई है। लोक व्यवस्था तथा संविधान के भाग 3 के उपबन्धों के तहत ही यह अधिकार दिए गए है। वही संविधान का अनुच्छेद 19 (2) राज्यों को उचित प्रतिबंध लगाने का अधिकार भी देता है। ऐसे में कोर्ट का निर्णय क्या होगा यह तो आने वाला वक़्त ही बताएगा? लेकिन मेरा व्यक्तिगत और एक सामाजिक प्राणी होने के नाते इतना ही मानना है कि शिक्षण संस्थानों को राजनीति का केंद्र किसी भी परिस्थिति में नहीं बनाना चाहिए। जिस देश में गुरुकुल की परम्परा रही हो। जहां राजा और रंक में कोई भेदभाव नहीं किया जाता हो उस देश में शिक्षण संस्थानों को मज़हबी रंग दिया जाना निश्चित ही देश को पतन की राह पर ले जायेगा। (लेखिका-सोनम लववंशी / ईएमएस)

श्री चन्द्रशेखर आज़ाद की पुण्य तिथि

चन्द्रशेखर 'आजाद (23 जुलाई 1906 – 27 फ़रवरी 1931) भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के स्वतंत्रता सेनानी थे। वे शहीद राम प्रसाद बिस्मिल व शहीद भगत सिंह सरीखे क्रान्तिकारियों के अ4नन्यतम साथियों में से थे।

सन् 1922 में गाँधीजी द्वारा असहयोग आन्दोलन को अचानक बन्द कर देने के कारण उनकी विचारधारा में बदलाव आया और वे क्रान्तिकारी गतिविधियों से जुड़ कर हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य बन गये। इस संस्था के माध्यम से राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में पहले 9 अगस्त 1925 को काकोरी काण्ड किया और फरार हो गये।

चन्द्रशेखर आजाद का जन्म भाबरा गाँव (अब चन्द्रशेखर आजादनगर) (वर्तमान अलीराजपुर जिला) में एक ब्राह्मण परिवार में 23 जुलाई सन् 1906 को हुआ था. उनके पूर्वज ग्राम बदरका वर्तमान उन्नाव जिला (बैसवारा) से थे। आजाद के पिता पण्डित सीताराम तिवारी अकाल के समय अपने पैतृक निवास बदरका को छोड़कर पहले कुछ दिनों मध्य प्रदेश अलीराजपुर रियासत में नौकरी करते रहे फिर जाकर भाबरा गाँव में बस गये। यहीं बालक चन्द्रशेखर का बचपन बीता। उनकी माँ का नाम जगरानी देवी था।

पहली घटना

1919 में हुए अमृतसर के जलियांवाला बाग नरसंहार ने देश के नवयुवकों को उद्वेलित कर दिया। चन्द्रशेखर उस समय पढाई कर रहे थे। जब गांधीजी ने सन् 1920 में असहयोग आन्दोलनका फरमान जारी किया तो वह आग ज्वालामुखी बनकर फट पड़ी और तमाम अन्य छात्रों की भाँति चन्द्रशेखर भी सडकों पर उतर आये। अपने विद्यालय के छात्रों के जत्थे के साथ इस आन्दोलन में भाग लेने पर वे पहली बार गिरफ़्तार हुए और उन्हें 15 बेतों की सज़ा मिली। इस घटना का उल्लेख पं0 जवाहरलाल नेहरू ने कायदा तोड़ने वाले एक छोटे से लड़के की कहानी के रूप में किया है-

चंद्रशेखर आजाद ने एक निर्धारित समय के लिए झांसी को अपना गढ़ बना लिया। झांसी से पंद्रह किलोमीटर दूर ओरछा के जंगलों में वह अपने साथियों के साथ निशानेबाजी किया करते थे।

क्रान्तिकारी संगठन

असहयोग आन्दोलन के दौरान जब फरवरी 1922 में (चौरी चौरा) की घटना के पश्चात् बिना किसी से पूछे (गाँधीजी) ने आन्दोलन वापस ले लिया तो देश के तमाम नवयुवकों की तरह आज़ाद का भी कांग्रेस से मोह भंग हो गया और पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल, शचीन्द्रनाथ सान्याल योगेशचन्द्र चटर्जी ने 1924 में उत्तर भारत के क्रान्तिकारियों को लेकर एक दल हिन्दुस्तानी प्रजातान्त्रिक संघ (एच0 आर0 ए0) का गठन किया। चन्द्रशेखर आज़ाद भी इस दल में शामिल हो गये।

इस संघ की नीतियों के अनुसार 9 अगस्त 1925 को काकोरी काण्ड को अंजाम दिया गया। जब शाहजहाँपुर में इस योजना के बारे में चर्चा करने के लिये मीटिंग बुलायी गयी तो दल के एक मात्र सदस्य अशफाक उल्ला खाँ ने इसका विरोध किया था।

4 क्रान्तिकारियों को फाँसी और 16 को कड़ी कैद की सजा के बाद चन्द्रशेखर आज़ाद ने उत्तर भारत के सभी कान्तिकारियों को एकत्र कर 8 सितम्बर 1928 को दिल्ली के फीरोज शाह कोटला मैदान में एक गुप्त सभा का आयोजन किया। चन्द्रशेखर आज़ाद ने सेना-प्रमुख (कमाण्डर-इन-चीफ) का दायित्व सम्हाला। इस दल के गठन के पश्चात् एक नया लक्ष्य निर्धारित किया गया - ठहमारी लड़ाई आखरी फैसला होने तक जारी रहेगी और वह फैसला है जीत या मौत।ठ

17 दिसम्बर, 1928 को चन्द्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह और राजगुरु ने संध्या के समय लाहौर में पुलिस अधीक्षक के दफ़्तर को जा घेरा। ज्यों ही जे. पी. सांडर्स अपने अंगरक्षक के साथ मोटर साइकिल पर बैठकर निकला, पहली गोली राजगुरु ने दाग़ दी, जो साडंर्स के मस्तक पर लगी और वह मोटर साइकिल से नीचे गिर पड़ा।डभगतसिंह ने आगे बढ़कर् छु–क्र गोलियाँ और दागकर उसे बिल्कुल ठंडा कर दिया। जब सांडर्स के अंगरक्षक ने पीछा किया तो चन्द्रशेखर आज़ाद ने अपनी गोली से उसे भी समाप्त कर दिया। लाहौर नगर में ड्ड*्र–ड्ड*्र परचे चिपका दिए गए कि लाला लाजपतराय की मृत्यु का बदला ले लिया गया।

चन्द्रशेखर आज़ाद के ही सफल नेतृत्व में भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त ने 8 अप्रैल, 1929 को दिल्ली की केन्द्रीय असेंबली में बम विस्फोट किया। यह विस्फोट किसी को भी नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से नहीं किया गया था।

आज़ाद के प्रशंसकों में पण्डित मोतीलाल नेहरू, पुरुषोत्तमदास टंडन का नाम शुमार था। जवाहरलाल नेहरू से आज़ाद की भेंट आनन्द भवन में हुई थी उसका ज़िक्र नेहरू ने अपनी आत्मकथा में 'फासीवादी मनोवृत्ति' के रूप में किया है। आज़ाद को 28 मई 1930 को भगवती चरण वोहरा की बम-परीक्षण में हुई शहादत से भी गहरा आघात लगा था। इसके कारण भगत सिंह को जेल से छुड़ाने की योजना भी खटाई में पड़ गयी थी। भगत सिंह, सुखदेव तथा राजगुरु की फाँसी रुकवाने के लिए आज़ाद ने दुर्गा भाभी को गांधीजी के पास भेजा जहाँ से उन्हें कोरा जवाब दे दिया गया था।

बलिदान

एच0एस0आर0ए0 द्वारा किये गये साण्डर्स-वध और दिल्ली एसेम्बली बम काण्ड में फाँसी की सजा पाये तीन अभियुक्तों- भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव ने अपील करने से साफ मना कर ही दिया था। वे उत्तर प्रदेश की हरदोई जेल में जाकर गणेशशंकर विद्यार्थी से मिले। विद्यार्थी से परामर्श कर वे इलाहाबाद गये और 20 फरवरी को जवाहरलाल नेहरू से उनके निवास आनन्द भवन में भेंट की। आजाद ने पण्डित नेहरू से यह आग्रह किया कि वे गांधी जी पर लॉर्ड इरविन से इन तीनों की फाँसी को उम्र- कैद में बदलवाने के लिये जोर डालें! अल्फ्रेड पार्क में अपने एक मित्र सुखदेव राज से मन्त्रणा कर ही रहे थे तभी सी0आई0डी0 का एस0एस0पी0 नॉट बाबर जीप से वहाँ आ पहुँचा। उसके पीछे-पीछे भारी संख्या में कर्नलगंज थाने से पुलिस भी आ गयी। दोनों ओर से हुई भयंकर गोलीबारी में आजाद ने तीन पुलिस कर्मियों को मौत के घाट उतार दिया और कई अंग्रेज़ सैनिक घायल हो गए। अंत में जब उनकी बंदूक में एक ही गोली बची तो वो गोली उन्होंने खुद को मार ली और वीरगति को प्राप्त हो गए। यह दुखद घटना 27 फ़रवरी 1931 के दिन घटित हुई और हमेशा के लिये इतिहास में दर्ज हो गयी।

आज़ाद के बलिदान की खबर जवाहरलाल नेहरू की पत्नी कमला नेहरू को मिली तो उन्होंने तमाम काँग्रेसी नेताओं व अन्य देशभक्तों को इसकी सूचना दी।। बाद में शाम के वक्त लोगों का हुजूम पुरुषोत्तम दास टंडन के नेतृत्व में इलाहाबाद के रसूलाबाद शमशान घाट पर कमला नेहरू को साथ लेकर पहुँचा।

व्यक्तिगत जीवन

आजाद प्रखर देशभक्त थे। काकोरी काण्ड में फरार होने के बाद से ही उन्होंने छिपने के लिए साधु का वेश बनाना बखूबी सीख लिया था और इसका उपयोग उन्होंने कई बार किया।

चन्द्रशेखर आज़ाद ने वीरता की नई परिभाषा लिखी थी। उनके बलिदान के बाद उनके द्वारा प्रारम्भ किया गया आन्दोलन और तेज हो गया, उनसे प्रेरणा लेकर हजारों युवक स्वतन्त्रता आन्दोलन में कूद पड़े। आजाद की शहादत के सोलह वर्षों बाद 15 अगस्त सन् 1947 को हिन्दुस्तान की आजादी का उनका सपना पूरा तो हुआ किन्तु वे उसे जीते जी देख न सके। सभी उन्हें पण्डितजी ही कहकर सम्बोधित किया करते थे। (लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

आज का इतिहास 27 फरवरी

1700 इंग्लैंड के खोजी विलियम डैम्पियर ने न्यू ब्रिटिश द्वीप की खोज की.

1807 अमरीकी साहित्यकार हेनरी लोंगफेलो का जन्म.

1854 ईस्ट इंडिया कंपनी ने झांसी पर कब्जा कर लिया.

1861 रूसी शासन के खिलाफ वारसा में प्रदर्शन करने वाले पुलिस लोगों पर गोली चली जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए.

1881 दक्षिण अफ्रीका में माजुबा पहाड़ियों में बोएर्स ने ब्रिटिश सैनिकों को शिकस्त दी.

1889 बर्मा ने रंगून से मांडले तक रेल लाइन यातायात के लिए खोली.

1900 ब्रिटेन में लेबर पार्टी का गठन हुआ.

1931 प्रसिद्ध क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद इलाहाबद में मारे गए.

1933 जर्मन संसद में आग लगी, जिसके लिए कम्युनिस्टों को दोषी करार दिया गया.

1939 ब्रिटेन और फ्रांस ने स्पेन सरकार को मान्यता प्रदान की.

1968 ब्रिटिश संसद ने अश्वेतों को आव्रजन पर रोक संबंधी विधेयक की मंजूरी दी.

1974 इथोपियाई मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दिया.

1976 एस्किमो नेताओं ने लगभग दस लाख वर्ग मील क्षेत्र पर दावा प्रस्तुत किया.

1986 स्वीडन के प्रधानमंत्री ओलोफ पाल्मे की स्टॉक होम में हत्या.

1986 फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति फर्डीनांड मार्कोस ने हवाई में निर्वासित जीवन बिताना प्रारंभ किया.

1989 यूगोस्लाविया ने कोसोवा प्रांत में आयात कदमों की घोषणा की.

1990 फिलीपींस के पूर्व रक्षा मंत्री जुआन पोंस एनरिले को गिरफ्तार किया गया.

2002 अहमदाबाद से 200 किलोमीटर दूर गोधरा रेलवे स्टेशन पर उपद्रवियों ने साबरमती एक्सप्रेस परे हमला कर चार डिब्बों में आग लगाई, 57 लोग मारे गए.

शब्द पहेली - 7210

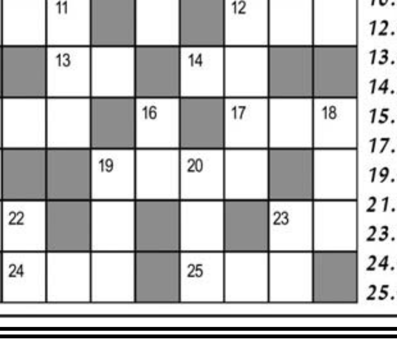

बाएँ से दाएँ

1. लाचार, बेबस-3
3. प्राण, जान-3
5. दुर्ग, फोर्ट-2
6. सद्पुरुष-2
8. कवायद-4
10. प्रतिघात, मुआवजा-3
12. कंठ, गला-3
13. लकड़ी-2
14. प्रथम मानव-2
15. धोखेबाज, कपटी-3
17. माजरा, घटना-3
19. कहासुनी, झंझट -4
21. संबोधन-2
23. चावल-2
24. रगड़ना, लगाना-3
25. वादा, प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1. लता, लतिका-2
2. चावल (अंग्रेजी-3)
3. हूर, अप्सरा-3
4. आकाश, व्योम-2
5. शायरी करनेवाला-3
7. योग्य, उपयुक्त-3
8. अदाकार, फनकार-4
9. घोड़ागाड़ी-2
12. बजरंगबली-4
15. माह, मास-3
16. जांघ, जंघा-2
18. धिक्कार, फटकार-3
19. मामूली, तुच्छ-3
20. बहने का भाव-3
22. संस्कृत में 'मेरा'-2
23. होश, आभास-2

शब्द पहेली -7209 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

31 दिन, 31 मुकाबले का होगा महिला विश्वकप क्रिकेट, 4 मार्च से होगा शुरु

नई दिल्ली (ईएमएस)। न्यूजीलैंड में महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप (50 ओवर) का 12वां संस्करण खेला जाएगा। भारतीय महिला टीम न्यूजीलैंड में ही है। टीम ने वहां पांच मैचों की सीरीज खेली है। भारत हालांकि शुरुआती चार मैच हार गया, लेकिन आखिरी मैच में टीम ने जीत हासिल कर फॉर्म में लौटने के कुछ संकेत दिए। चार मार्च को शुरू होने वाला यह वर्ल्ड कप कुल 31 दिन चलेगा। विश्वकप का फाइनल 3 अप्रैल को होगा।

साल 2017 में इंग्लैंड में हुए वर्ल्ड कप के बाद से भारत में भी महिला क्रिकेट को लेकर रवैये में बदलाव आया है। भारत को वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के हाथों करीबी मुकाबले में हार मिली थी। इस इवेंट की रैंकिंग भी बहुत ऊंची पहुंच गई थी। इससे महिला क्रिकेट को नई पहचान मिली और लोगों ने इस पहले से अधिक फॉलो करना शुरू किया। एक अनुमान के अनुसार उस वर्ल्ड कप की व्युअरशिप 180 मिलियन यानी 18 करोड़ के अधिक रही। इस बार का वर्ल्ड कप न्यूजीलैंड में आयोजित होगा। इस इवेंट के पिछले वर्ल्ड कप को देखकर आयोजकों को उम्मीद है कि इस बार भी यह इवेंट कामयाबी की नई मिसाल बनाएगा। कोरोना के कारण इस बार वर्ल्ड कप पूर्व निर्धारित समय से 13 महीने देरी से हो रहा है। पहले महिला वर्ल्ड का आयोजन 1973 में हुआ था। यानी पुरुष वर्ल्ड कप से दो साल पहले। यह इसका 12वां एडिशन होगा।

कौन-कौन ले रहा है भाग : ऑस्ट्रेलिया-मैग लैनिंग, बांग्लादेश- निगार सुलताना, भारत- मिताली राज, इंग्लैंड- हीदर नाइट, साउथ अफ्रीका- सुन लुउस, पाकिस्तान-बिस्माह मारूफ

वेस्टइंडीज- स्टेफनी टेलर शामिल हैं।

टॉप 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वॉलिफाइ करेंगी। महिला वर्ल्ड कप की शुरुआत 4 मार्च, 2022 को न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच मुकाबले से होगी। यह ग्रुप स्टेज के मुकाबले 27 मार्च 2022 तक होने वाले है। ग्रुप में आखिरी मुकाबला भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होगा। यह विश्वकप 31 दिन चलेगा। इन 31 दिनों में कुल 31 मुकाबल खेले जाएंगे। सेमीफाइनल मुकाबला बासिन रिजर्व में 30 मार्च को होगा। वहीं दूसरा सेमीफाइनल 31 मार्च को हेगली ओवर में होगा। फाइनल 3 अप्रैल, 2022 को खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक छह वर्ल्ड कप जीता है। वह इस बार भी पंसदीदी टीम है। भारत की बात करें तब उसने पिछले वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। इंग्लैंड ने चार बार खिताब जीता है। वहीं मौजूदा होस्ट न्यूजीलैंड ने एक बार वर्ल्ड कप जीता है।

रबादा की घातक गेंदबाजी के कारण बैकफुट पर कीवी टीम

क्राइस्टचर्च (ईएमएस)। निचले क्रम की बढ़िया बल्लेबाजी के बाद कागिसो रबादा की धारदार गेंदबाजी से द.अफ्रीका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 157 रन करके अपना पलड़ा भारी रखा। पहले मैच में करारी शिकस्त झेलने वाले दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले केशव महाराज (36) और मार्को जेनसन (37) के बीच नौवें विकेट की 62 रन की साझेदारी की बदौलत पहली पारी में 364 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से कोलिन डि ग्रैंडहोम ने सिर्फ 36 गेंद में अर्धशतक जड़ा और फिर काफी धीमी बल्लेबाजी करते हुए दिन का खेल खत्म होने तक नाबाद 54 रन बनाए। दूसरे छोर पर डेरिल मिशेल 29 रन बनाकर उनका साथ निभाते रहे हैं। दोनों छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी कर चुके हैं।

न्यूजीलैंड की टीम अब भी दक्षिण अफ्रीका से 207 रन से पीछे है, जबकि उसके पांच विकेट शेष हैं। दूसरे दिन पहला और आखिरी घंटा छोड़कर बाकी दिन दक्षिण अफ्रीका का दबदबा रहा। टीम ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 238 रन से की लेकिन न्यूजीलैंड ने लंच से पहले 60 रन पर चार विकेट चटकाकर मेहमान टीम का स्कोर सात विकेट पर 298 रन कर दिया। जेनसन और महाराज ने हालांकि नौवें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। इससे पहले सलामी बल्लेबाज सेरेल इर्वी ने अपना पहला टेस्ट शतक जड़कर 108 रन बनाए।

हेगले ओवल के इसी मैदान पर दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले टेस्ट की दो पारियों में 95 और 111 रन ही बना सकी थी। रबादा ने इसके बाद न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को तगड़ा झटका दिया। रबादा ने पहले ही ओवर में न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम (00) को विकेट कीपर काइल वेरेने के हाथों कैच कराके के बाद पांचवें ओवर में विल यंग (03) को भी उनके हाथों लपकवाकर मेजबान टीम का स्कोर नौ रन पर दो विकेट किया। दक्षिण अफ्रीका में जन्में डेवोन कॉनवे 16 रन बनाकर जेनसन का शिकार बने, जबकि इस तेज गेंदबाज ने पहले टेस्ट में शतक जड़ने वाले हेनरी निकोल्स (39) को भी इर्वी के हाथों कैच कराया। रबादा ने टॉम ब्लंडेल (06) को बोल्ड करके न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 91 रन किया। मिशेल और ग्रैंडहोम ने हालांकि इसके बाद अर्धशतकीय साझेदारी करके दिन का खेल खत्म होने तक दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को और सफलता हासिल नहीं करने दी।

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण सेंट पीटर्सबर्ग की जगह पेरिस में होगा चैंपियंस लीग का फाइनल

लंदन (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद यूईएफए (यूरोपीय फुटबॉल संघों के महासंघ) ने चैंपियंस लीग के फाइनल की मेजबानी की जिम्मेदारी सेंट पीटर्सबर्ग को हटा कर पेरिस को सौंप दी है। पुरुष वर्ग का फाइनल पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक 28 मई को होगा, लेकिन अब इसे नए स्थल पर खेला जाएगा।

यूईएफए की कार्यकारी समिति के निर्णय के बाद 80,000 दर्शकों की क्षमता वाला स्टेड डी फ्रांस इसकी मेजबानी करेगा। यूरोपीय फुटबॉल की शासी निकाय ने एक बयान में कहा यूईएफए फ्रांस के राष्ट्रपति एमेनुअल मैक्रों का उनके व्यक्तिगत समर्थन और अद्वितीय संकट के समय में यूरोपीय क्लब फुटबॉल के सबसे प्रतिष्ठित आयोजन को फ्रांस में स्थानांतरित करने की प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद और प्रशंसा व्यक्त करना चाहता है।

उन्होंने कहा फ्रांस की सरकार के साथ यूईएफए यूक्रेन में गंभीर मानवीय पीड़ा, विनाश और विस्थापन का सामना कर रहे फुटबॉल खिलाड़ियों और उनके परिवारों के लिए बचाव के प्रावधान को सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों के साथ प्रयास कर रहा है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यूईएफए प्रतियोगिताओं में रूस और यूक्रेन के क्लबों और राष्ट्रीय टीम को अगली सूचना तक तटस्थ स्थानों पर खेलना होगा। स्टेड डी फ्रांस ने आखिरी बार 16 साल पहले चैंपियंस लीग फाइनल की मेजबानी की थी। तब बार्सीलोना ने 2006 के फाइनल में आर्सेनल को हराया था।

अफगानिस्तान पर 88 रन से जीत दर्ज कर 3 मैचों की सीरीज में बांग्लादेश ने 2-0 से बनाई अजेय बढ़त

चटगांव (ईएमएस)। बांग्लादेशी खिलाड़ी लिटन दास के सैकड़े जड़ने के साथ ही एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में उसने अफगानिस्तान पर 88 रन से जीत दर्ज कर 3 मैचों की श्रंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। लिटन ने 126 गेंद में 136 रन की शतकीय पारी के दौरान 16 चौके और 2 छक्के जमाए जिससे बांग्लादेश ने 4 विकेट पर 306 रन का स्कोर बनाया जो अफगानिस्तान के खिलाफ उसका सबसे बड़ा स्कोर भी है। इसके बाद बांग्लादेश ने अपनी अनुशासित गेंदबाजी से अफगानिस्तान को 45.1 ओवर में 218 रन पर समेट दिया। लिटन का मुश्फिकुर रहीम (86 रन) ने पूरा साथ दिया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 202 रन की साझेदारी निभाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। बांग्लादेश ने पहला मैच 4 विकेट से जीता था। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद बांग्लादेश ने हालांकि कप्तान तमिम इकबाल का विकेट जल्दी गंवा दिया। लिटन शुरू में थोड़े नर्वस दिख रहे थे लेकिन शाकिब अल हसन ने कुछ अच्छे शॉट खेले जिससे रन जुड़ते रहे।

लेग स्पिनर राशिद खान ने शाकिब (20) को आउट कर बांग्लादेश को झटका दिया। राशिद, मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी की स्पिन तिकड़ी के खिलाफ मुश्किल के बावजूद लिटन और मुश्फिकुर डटे रहे। मुश्फिकुर ने राशिद पर बाउंड्री लगाकर 56 गेंद में अपना 41वां अर्धशतक पूरा किया। जल्द ही लिटन भी 65 गेंद में 50 रन पर पहुंच गए और इसके बाद उन्होंने रन जोड़ने की गति तेज कर दी। हालांकि इस दौरान उन्हें 87 रन के स्कोर पर जीवनदान भी मिला। पर उन्होंने 107 गेंद में 5वां शतक पूरा किया। अफगानिस्तान के लिए नजीबुल्लाह जदरान 54 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे जबकि सलामी बल्लेबाज रहमत शाह ने 52 रन बनाए। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी निभाई। तेज गेंदबाज तास्किन अहमद ने इन दोनों के विकेट झटके और बांग्लादेश जीत के करीब पहुंच गया। नबी ने 32 और राशिद ने तेजी से 29 रन जोड़े लेकिन इससे केवल हार का अंतर कम हुआ। तीसरा और अंतिम वनडे सोमवार को खेला जायेगा।

अब सिर्फ एक मिस्ड कॉल से मिल जाएगा रसोई गैस कनेक्शन

नई दिल्ली (ईएमएस)। पहले आपको रसोई गैस का नया कनेक्शन लेने के लिए ऑफिस के चक्कर लगाना पड़ते थे ले?किन अब चक्कर लगाने की कोई जरूरत नहीं। अब आपको सिर्फ एक मिस्ड कॉल देना होगा। इसके बाद आपको आसानी से रसोई गैस का कनेक्शन मिल जाएगा। इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड ने ट्वीट करते हुए यह जानकारी दी है कि अब ग्राहक एक मिस्ड कॉल देकर भी गैस कनेक्शन पा सकते हैं। आईओसीएल की दी हुई जानकारी के अनुसार अब कनेक्शन के लिए ग्राहकों को 8454955555 पर मिस्ड कॉल करना होगा और कंपनी के कर्मचारी उनसे संपर्क करेंगे। इसके बाद एड्रेस प्रूफ और आधार के जरिए आपको गैस कनेक्शन मिल जाएगा। गौरतलब है ??कि इसी नंबर के जरिए गैस रिफिल भी कराया जा सकता है। इसके लिए आपको बस रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से कॉल करना होगा। अगर आपके परिवार में किसी के पास कोई गैस कनेक्शन है और पता एक ही है तो भी आप गैस कनेक्शन ले सकते हैं। हालांकि इसके लिए आपको एक बार गैस एजेंसी जाना होगा और पुराने गैस कनेक्शन से जुड़े डॉक्यूमेंट्स दिखाकर वैरिफाई कराना होगा। उसके बाद ही आपको उस पते पर गैस कनेक्शन मिल जाएगा।

बिग बाजार स्टोरों अब रिलायंस इंडस्ट्रीज का हो रहा है कब्जा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिग बाजार पर राज करने वाली फ्यूचर रिटेल के स्टोरों का संचालन अब रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के हाथ में आ गया है। रिलायंस ने फ्यूचर रिटेल के कर्मचारियों को नौकरी की पेशकश भी की है। आरआईएल को खुदरा कारोबार बेचने के संबंध में किशोर बियानी के नेतृत्व वाले समूह के ई-कॉमर्स कंपनी एमेजॉन के साथ मुकदमों में उलझे होने के बावजूद ऐसा किया गया है। पूरे घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रिलायंस रिटेल ने उन परिसरों का कब्जा लेना शुरू कर दिया है, जिसमें फ्यूचर रिटेल बिग बाजार जैसे अपने स्टोरों का संचालन कर रहा है। रिलायंस अब उन्हें अपने ब्रांड स्टोर से बदल रहा है। उन्होंने बताया कि आरआईएल ने फ्यूचर रिटेल स्टोर्स के कर्मचारियों को नौकरी देना और उन्हें रिलायंस रिटेल के पे-रोल पर लाना भी शुरू कर दिया है।

इस बारे में टिप्पणी के लिए ऐमजॉन से संपर्क करने पर कंपनी ने कुछ कहने से इनकार कर दिया। रिलायंस-फ्यूचर सौदे की अगस्त 2020 में घोषणा के बाद कई रियल एस्टेट मालिकों ने रिलायंस से संपर्क किया था, क्योंकि फ्यूचर रिटेल किराया नहीं चुका पा रही थी। सूत्रों ने कहा कि इसके बाद रिलायंस ने इन प्रोप्टी ऑनरों के साथ लीज समझौतों पर हस्ताक्षर किए। जहां भी संभव हुआ, इन परिसरों को फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) को सब-लीज पर दे दिया गया, ताकि कारोबार जारी रह सके। सूत्र ने बताया कि जिन स्टोरों को रिलायंस अपने कब्जे में ले रही है, वे घाटे में चल रहे हैं। बाकी स्टोर एफआरएल द्वारा अभी संचालित होते रहेंगे। इस तरह एफआरएल का परिचालन घाटा कम हो जाएगा। हालांकि, अब तक रिलायंस रिटेल के पास आ चुके स्टोरों की सही संख्या का पता नहीं चल सका है। एक उद्योग सूत्र के अनुसार रिलायंस ऐसे परिसरों का मूल्यांकन करेगा, और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य पाए जाने पर उनका उपयोग करेगा। इस तरह रिलायंस करीब 30,000 कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करेगा। ऐसा नहीं करने पर वे अपनी नौकरी खो देते। सूत्र ने कहा कि यह कदम बैंकों, लेनदारों और कर्मचारियों सहित एफआरएल के सभी हितधारकों के हित में है, क्योंकि कंपनी का कारोबार जारी है और उसकी कीमत बनी हुई है।

एनबीएफसी की स्थिति में अगले वित्त वर्ष हो सकता है सुधारः रिपोर्ट

मुंबई (ईएमएस)। कई वर्षों तक चुनौतियों से ?घिरी रहने वाली गैर-बैंकिंग कर्जदाताओं की स्थिति वित्त वर्ष 2022-23 में सामान्य होने की उम्मीद जताई जा रही है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। घरेलू रे?टिंग एजेंसी इं?डिया की जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियां (एनबीएफसी) वित्त वर्ष 2022-23 में पर्याप्त पूंजीगत बफर, टिकाऊ मार्जिन और ठीक-ठाक बही-खाता प्रावधान करती हुई दिखाई देंगी जबकि समुचित प्रणालीगत तरलता से उन्हें कोष जुटाने में भी मदद मिलेगी। रेटिंग एजेंसी ने एनबीएफसी क्षेत्र के लिए तटस्थ परिदृश्य और 'टिकाऊ' रेटिंग परिदृश्य जताते हुए कहा कि कोई नकारात्मक घटना न होने पर उसकी अपेक्षाएं खरी साबित होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक अगले वित्त वर्ष में एनबीएफसी की ऋण वृद्धि दर बढ़कर 14 प्रतिशत रहने का अनुमान है जबकि वर्ष 2021-22 में यह आठ प्रतिशत ही रह सकता है। वर्ष 2017 में आईएलएंडएफएस की चूक के बाद से ही एनबीएफसी इकाइयों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। महामारी फैलने के बाद से एनबीएफसी की तरलता प्रभावित हुई है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.76 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई (ईएमएस)। स्वर्ण भंडार के मूल्य तथा मुख्य मुद्रा आस्तियों में वृद्धि के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 2.762 अरब डॉलर बढ़कर 632.95 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी दी। इससे पूर्व के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 1.763 अरब डॉलर घटकर 630.19 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई द्वारा जारी किए गए साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि, विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) के बढ़ने के कारण दर्ज की गई।

रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से बढ़ सकते हैं सोने के दाम, सॉवरेन गोल्ड बांड में करें निवेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। इससे दुनियाभर के बाजारों में उथल-पुथल का माहौल बना हुआ है। अतीत में जब भी ऐसे मौके आए हैं, सोने के भाव ने नई ऊंचाई को छुआ है। युद्ध की वजह से पैदा हुई अनिश्चितता की वजह से इस कारोबारी हफ्ते में भी सोने के रेट में काफी उछाल देखने को मिला। ऐसे समय में सेफ एसेट्स में निवेश फायदेमंद साबित होता है।

अगर आप भी गोल्ड में पैसे लगाने चाहते हैं, तो सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2021-22 का अगला चरण आपके लिए काफी बढ़िया ऑप्शन साबित हो सकता है। इस स्कीम का अगला चरण सोमवार से सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो रहा है। अगर आप सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2021-22 में इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो अपने पैसे तैयार रखिए। सरकार 28 फरवरी (सोमवार) से आपको यह मौका देने जा रही है। इस स्कीम की 10वीं सीरीज में निवेश करने की आखिरी तारीख चार मार्च होगी।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने स्कीम की 10वीं सीरीज के लिए इश्यू प्राइस तय कर दिया है। आरबीआई ने इस सीरीज के लिए सोने का भाव 5,109 रुपए प्रति ग्राम तय किया है। इस बॉन्ड के लिए ऑनलाइन अप्लाई करने और डिजिटल तरीके से भुगतान करने वालों को 50 रुपए प्रति ग्राम का डिस्काउंट मिलेगा। ऐसे निवेशकों को 5,059 रुपये प्रति ग्राम की दर से भुगतान करना होगा।

गोल्ड की मांग को कम करने और सेविंग को गोल्ड बॉन्ड में शिफ्ट करने के लिए सरकार ने नवंबर 2015 में यह स्कीम पेश की थी। भारत सरकार की ओर से आरबीआई बॉन्ड जारी करता है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 999 गुणवत्ता वाले सोने की तीन दिन की क्लोजिंग प्राइस के सामान्य औसत के आधार पर बॉन्ड का मूल्य तय किया जाता है। इन बॉन्ड्स की बिक्री बैंक्स स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल), डेजिगनेटेड पोस्ट ऑफिस और एनएसई एवं बीएसई जैसे मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के जरिए की जाएगी।

इस बॉन्ड के तहत कोई भी व्यक्ति न्यूनतम एक ग्राम सोना खरीद सकता है। इस बॉन्ड की मेच्योरिटी की अवधि 8 साल होती है। इसके अलावा गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने वालों को सालाना 2.5 फीसदी का ब्याज मिलेगा।

सॉवरेन गोल्ड बांड अभिदान के लिए 28 फरवरी को खुलेगी 10वीं किस्त

मुंबई (ईएमएस)। सरकारी स्वर्ण बांड योजना 2021-22 के लिए निर्गम मूल्य 5,109 रुपए प्रति ग्राम तय किया गया है। इसमें निवेश के लिए सोमवार से आवेदन दिया जा सकता है। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि स्वर्ण बॉन्ड योजना 2021-22 की दसवीं किस्त अभिदान के लिए 28 फरवरी से चार मार्च तक खुली रहेगी। केंद्रीय बैंक ने कहा ?कि स्वर्ण बॉन्ड का आधार मूल्य 5,109 रुपए प्रति ग्राम होगा। सरकार ने आरबीआई के साथ परामर्श के बाद ऑनलाइन आवेदन करने वाले निवेशकों को 50 रुपए प्रति ग्राम की छूट देने का फैसला किया है। इनके लिए उन्हें डिजिटल माध्यम से भुगतान करना होगा। आरबीआई ने कहा ?कि ऑनलाइन भुगतान करने वाले निवेशकों के लिए गोल्ड बॉन्ड का निर्गम मूल्य 5,059 रुपए प्रति ग्राम होगा। स्वर्ण बॉन्ड योजना 2021-22 की नौवीं किस्त दस से 14 जनवरी तक अभिदान के लिए खुली थी और इस दौरान निर्गम मूल्य 4,786 प्रति ग्राम सोना था। भारतीय रिजर्व बैंक भारत सरकार की ओर से बॉन्ड जारी करेगा। केंद्रीय बैंक के अनुसार ये बॉन्ड स्टॉक होल्डिंग कॉपरिशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल), नामित डाकघरों और एनएसई तथा बीएसई जैसे मान्यता प्राप्त शेयर बाजारों के जरिए बेचे जाएंगे। योजना के तहत आम निवेशक न्यूनतम एक ग्राम सोना और अधिकतम चार किलो ग्राम सोना के लिए निवेश कर सकते हैं। हिंदु अविभाजित परिवार चार किलो और न्यास तथा इसी प्रकार की इकाइयां प्रत्येक वित्त वर्ष में 20 किलो के लिए आवेदन कर सकती हैं।

व्यापारिक मुद्दों के हल के लिए हेल्प डेस्क शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। वाणिज्य मंत्रालय ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी सैन्य संघर्ष के कारण व्यापारियों के मुद्दों का हल और समाधान करने के लिए एक हेल्प डेस्क की स्थापना की है। मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार निर्यात और आयात समुदाय अपनी परेशानियों का विवरण विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की वेबसाइट पर डाल सकते हैं। डीजीएफटी ने एक अधिसूचना में कहा ?कि वाणिज्य विभाग या डीजीएफटी ने तत्काल प्रभाव से भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित मुद्दों का हल और उपयुक्त समाधान प्राप्त करने के लिए एक हेल्प डेस्क शुरू किया है।

रूस-यूक्रेन संकट का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ेगाः रिपोर्ट

- तेल की कीमतों में तेजी आने से अर्थव्यवस्था के समक्ष जोखिम पैदा होने की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन संकट के चलते द्विपक्षीय कारोबार के मामले में भारत पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ेगा लेकिन तेल की कीमतों में तेजी आने से अर्थव्यवस्था के समक्ष जोखिम पैदा हो सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) के एक अर्थशास्त्रीय शोध रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई। इसमें कहा गया है ?कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गए हैं। इससे बाह्य स्तर पर स्थिरता तथा रुपए की गतिविधियों को लेकर जोखिम है। इनवेस्को ने एक रिपोर्ट में कहा ?कि अगर यह संकट बढ़ता है और ईरान की तरह रूस को पश्चिमी भुगतान और त्वरित संदेश प्रणाली (स्विफ्ट) से बेदखल किया जाता है तो ऊर्जा आपूर्ति में बाधा से गंभीर गतिहीन मुद्रास्फीति की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। रूस यूरोप को 40 प्रतिशत गैस की आपूर्ति करता है जबकि कोयला समेत ठोस ईंधन की आपूर्ति में उसकी हिस्सेदारी आधी है। साथ ही एक तिहाई तेल की भी आपूर्ति करता है। अब तक अमेरिका ने रूस को वैश्विक भुगतान प्रणाली के उपयोग से प्रतिबंधित नहीं किया है। वित्त वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट और आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक नीति दोनों इस संकट से पहले पेश की गई और उसमें कच्चे तेल की ऊंची कीमत के प्रभाव को शामिल नहीं किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार बजट और आरबीआई की मौद्रिक नीति में कच्चे तेल की कीमत 75 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान रखा गया है। भारत अपनी तेल जरूरतों का 80 प्रतिशत आयात करता है। वित्त वर्ष 2020-21 में भारत ने 82.7 अरब डॉलर का तेल आयात किया था। जबकि चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान 125.5 अरब डॉलर का तेल आयात किया गया है। हालांकि अब तेल की कीमत 8 साल के उच्च स्तर पर है, ऐसे में तेल आयात बिल ऊंचा रह सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में तेल आयात 155.5 अरब डॉलर रह सकता है। आर्थिक गतिविधियों में सुधार के साथ अगले वित्त वर्ष में भी तेल आयात में सुधार की उम्मीद है। तेल मांग में 5 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। इसमें कहा गया है ?कि हमारा अनुमान है कि तेल के दाम में स्थायी तौर पर 10 प्रतिशत की वृद्धि से तेल आयात में 15 अरब डॉलर या जीडीपी का 0.4 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। इससे चालू खाते का घाटा बढ़ेगा। तेल के दाम में तेजी से रुपए पर भी असर पड़ा है। इससे व्यापार घाटा बढ़ेगा और अंततः अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मोर्चे पर स्थिरता प्रभावित होगी। कच्चे तेल के दाम में 10 प्रतिशत की तेजी से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष 0.15 प्रतिशत प्रभाव पड़ेगा। जबकि थोक मुद्रास्फीति का कच्चा तेल संबंधित उत्पादों में भारांश 7.3 प्रतिशत है। ऐसे में 10 प्रतिशत की वृद्धि से प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से थोक महंगाई दर में करीब एक प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिका का प्रस्ताव ठुकराया

-राजधानी कीव पर कब्जा करने आतुर रूस

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तीसरे दिन हालात असमंजस बने हुए हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने राजधानी कीव को छोड़ने से इनकार कर दिया है। बता दें कि, अमेरिका ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की को कीव से सुरक्षित निकालने का प्रस्ताव दिया था जिसे अब जेलेंस्की ने साफ ठुकरा दिया है और कहा कि, मैं कीव नहीं छोड़ूंगा, हमें कार नहीं हथियार चाहिए। जानकारी के मुताबिक, राष्ट्रपति जेलेंस्की व्यक्तिगत रूप से कीव की सुरक्षा के प्रभारी हैं और वो कहीं जानेवाले नहीं हैं। इन सबके बीच यूक्रेन के कई शहरों पर रूसी हमले लगातार हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि, कीव में रूस की सेना घुस चुकी है और वहां यूक्रेन के सैनिकों से जबरदस्त लड़ाई चल रही है। वहीं कीव के मध्य इलाकों में भी जबरदस्त गोलीबारी और धमाकों की आवाज गूंजती हुई नजर आ रही है। कीव के कई इलाकों में रूसी सैनिकों का कब्जा हो गया है। इसको अमेरिका का ऑफर ठुकराने से पहले भी जेलेंस्की ने एक वीडियो संदेश जारी कर यूक्रेन के नागरिकों से हथियार उठाने की अपील की थी। समाचारों के अनुसार पूरे यूक्रेन में लड़ाई जारी है। वहीं एक ट्वीट जारी कर बताया कि, रूस यूक्रेन के साथ उच्च स्तरीय बातचीत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

भारत, चीन पर गिर सकती है आईएसएस की गाज

-रूसी अंतरिक्ष एजेंसी प्रमुख किया आगाह

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन पर हमले के बीच रूस की अंतरिक्ष एजेंसी प्रमुख ने अमेरिका को आगाह करते हुए चेतावनी दी है कि मॉस्को पर लगाए गए कई प्रतिबंध अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केन्द्र (आईएसएस) पर 'हमारे सहयोग को नष्ट' कर सकते हैं और वाशिंगटन से पूछा कि क्या वह भारत व चीन को '500 टन की संरचना उन पर गिरने की आशंका' के साथ खतरे में डालना चाहता है।रूस और अमेरिका आईएसएस कार्यक्रम में प्रमुख भागीदार हैं, जिसमें कनाडा, जापान, फ्रांस, इटली और स्पेन जैसे कई यूरोपीय देश भी शामिल हैं।

गुरुवार को यूक्रेन के खिलाफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा विशेष सैन्य अभियान का आदेश दिए जाने के बाद, अमेरिका और उसके सहयोगियों ने चार बड़े रूसी बैंकों की संपत्ति अवरुद्ध करने, निर्यात नियंत्रण लागू करने और पुतिन के करीबियों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। खबरों के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा बृहस्पतिवार को नए प्रतिबंधों की घोषणा कर कि रूस के अंतरिक्ष कार्यक्रम सहित उनके एयरोस्पेस उद्योग को 'प्रतिष्ठाहीन' किया जाएगा, रोस्कोस्मोस के महानिदेशक दिमित्री रोगोजिन ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि आईएसएस की कक्षा और अंतरिक्ष में इसकी रूसी इंजनों द्वारा नियंत्रित होते हैं।

रोगोजिन ने रूसी भाषा में ट्वीट किया, 'यदि आप हमारे साथ सहयोग को बाधित करते हैं, तो कौन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) को अनियंत्रित होकर कक्षा से बाहर जाने और अमेरिका या यूरोप में गिरने से बचाएगा?' उन्होंने कहा कि इस बात की भी आशंका है कि 500 टन का ढांचा भारत या चीन पर गिर जाए। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख ने पूछा, 'क्या आप उन्हें ऐसे परिदृश्य से खतरे में डालना चाहते हैं? आईएसएस रूस के ऊपर से उड़ान नहीं भरता है, इसलिए सभी जोखिम आपके हैं। क्या आप उनके लिए तैयार हैं?' न्यूयॉर्क स्थित एक खगोल विज्ञान समाचार वेबसाइट के अनुसार, उन्होंने एक ट्वीट में लिखा है, 'क्या आप आईएसएस पर हमारे सहयोग को नष्ट करना चाहते हैं?'

इसमें कहा गया कि आईएसएस का रूसी खंड पूरे परिसर के लिए मार्गदर्शन, नेविगेशन (वायुयान संचालन) और नियंत्रण के लिए जिम्मेदार है। रूसी प्रगति आईएसएस के लिए आवधिक कक्षा-बढ़ाने का भी काम देखती है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह पृथ्वी के वायुमंडल में बहुत नीचे न आ जाए। खबर में शुक्रवार को कहा गया कि नासा ने रोगोजिन की टिप्पणियों पर सीधे प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन यह स्पष्ट किया है कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'रोस्कोस्मोस और कनाडा, यूरोप व जापान में हमारे अन्य अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ सुरक्षित और निरंतर आईएसएस संचालन बनाए रखने के लिए काम करना जारी रखेगी।' उसने कहा कि फिलहाल आईएसएस में नासा के चार, रूस के दो और यूरोप का एक अंतरिक्ष यात्री मौजूद हैं और काम कर रहे हैं।

अमेरिका बोला- भारत ने बहुत ही समझदारी दिखाते हुए सुरक्षा परिषद में लिया निर्णय

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। यूक्रेन रूस संकट पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हुई बैठक में भारत के निर्णय को अमेरिका ने उचित बताया है। भारत के लिए यह एक बड़ी चुनौती थी। उसे अपने दोस्त रूस और रणनीतिक साझेदार अमेरिका में से किसी एक का चयन करना था। ऐसे में रूस के खिलाफ लाए गए निंदा प्रस्ताव में वोटिंग से परहेज कर भारत ने फिलहाल दोनों हितों को साधने की कोशिश की है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने कहा कि भारत के रूस के साथ संबंध, अमेरिका और रूस के बीच संबंधों से अलहदा है और इसमें परेशानी की कोई बात नहीं है। अमेरिका ने कहा कि उसने रूस के साथ संबंध रखने वाले हर देश से नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को सुरक्षित रखने में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने को कहा है। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि भारत के साथ अमेरिका के अहम हित और मूल्य जुड़े हुए हैं। प्राइस ने शुक्रवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'भारत के साथ हमारे अहम हित जुड़े हुए हैं। हम भारत के साथ अहम मूल्य साझा करते हैं, और हम जानते हैं कि भारत के रूस के साथ संबंध उन संबंधों से अलग हैं जो हमारे और रूस के बीच हैं और सही में इसमें कोई परेशानी की बात नहीं है।'

गौरतलब है कि यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई को लेकर सहमति वाले प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने स्थानीय समयनुसार शुक्रवार और भारतीय समयनुसार शनिवार सुबह वोटिंग की गई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, नार्वे, आयरलैंड, अल्बानिया, गबोन, मैक्सिको, ब्राजील, घाना और केन्या ने निंदा प्रस्ताव का समर्थन किया। वहीं भारत के लिए इसमें रूस और अमेरिका में से किसी एक का साथ देना था। भारत ने बहुत ही समझदारी दिखाते हुए रूस के हमले की निंदा तो की लेकिन वोटिंग से परहेज किया। यूक्रेन पर रूसी हमले के बीच पाकिस्तान के रुख पर जब नेट प्राइस से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पहले ही पाकिस्तान को इस बात से अवगत करा दिया था कि रूसी आक्रमण का खतरा है और अब यूक्रेन पर रूसी आक्रमण का मतलब क्या है। उन्होंने कहा, 'भारत की तरह ही पाकिस्तान भी ठीक तरह से ये जानता है कि इस युद्ध में हम कहां खड़े हैं। यहां फिर से उन नियमों, मानदंडों और दिशानिर्देशों की बात आ जाती है जो भारत, पाकिस्तान, अमेरिका सभी को, रूस को भी लाभ पहुंचाते हैं।

युद्ध पीड़ित यूक्रेनवासियों की मदद के लिए पोलैंड आगे आया

वारसा (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद यहां बम धमाकों की गूंज के बीच लोग बेहद विचलित और बदहवास हैं। हर कोई जान बचाकर पड़ौस की ओर भाग रहे हैं। जो लोग भागने में सफल नहीं हो रहे हैं, वे सब या तो मेट्रो के नीचे जा रहे हैं या किसी अंडरग्राउंड घरों में अपना सहारा खोज रहे हैं। यूक्रेन के पड़ौसी देशों की सीमा पर लोगों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। इस बीच पोलैंड ने उन सभी यूक्रेनवासियों को भरोसा दिलाया है कि वह युद्ध से प्रभावित लोगों को अपने देश में शरण देगा। लैंड ने कहा है कि हम उन सभी यूक्रेनवासियों का स्वागत करेंगे जो रूस की सैन्य कार्रवाई के कारण प्रभावित होकर अपना देश छोड़ रहे हैं। रूस को छोड़कर यूक्रेन के सीमा पूर्व में मालडोवा, हंगरी, रोमानिया, स्लोवाकिया और पोलैंड से लगता है। इन सभी देशों में यूक्रेन के लोग जा रहे हैं लेकिन सबसे ज्यादा पोलैंड की ओर पलायन हो रहा है।

पोलैंड ने यूक्रेन के लोगों से आग्रह किया है कि यदि उन्हें पोलैंड में ठहरने के लिए जगह नहीं मिल रहा है तो नजदीकी रिसेप्शन सेंटर में जाएं। आपको यहां ठहरने के बार जानकारी मिल जाएगी। पोलैंड ने युद्ध से प्रभावित यूक्रेन के लोगों वीजी फ्री एंट्री दिया है। एंट्री करने वाले यूक्रेन वासियों को पोलैंड बॉर्डर गार्ड द्वारा कंसेंट लेटर इश्यू किया जाएगा। इसमें बॉर्डर क्रॉस करने की गारंटी दी जाएगी। अस्थायी आवासीय परमिट भी मिलेगा। पोलैंड में प्रवेश करने वाले यूक्रेन के नागरिकों को 90 दिनों तक वीजा फ्री रहने की अनुमति दी जाएगी। 0 दिनों के बाद भी अगर कोई यूक्रेनवासी पोलैंड में रहना चाहते हैं तो इसके लिए पोलैंड के कानून के अनुसार अस्थायी वीजा परमिट के लिए आवेदन करना होगा। अगर सभी जरूरी मानकों को पूरा करता है तो स्थायी निवास के लिए भी आवेदन किया जा सकता है। पोलैंड आने पर अगर किसी तरह की दिक्कत हो रही है तो इसके लिए पोलैंड की सरकारी वेबसाइटों पर रिसेप्शन सेंटर का एड्रेस दिया हुआ है।

श्रीलंका में आईओसी ने पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ाए , पेट्रोल 204 और डीजल 139 में

कोलंबो (ईएमएस)। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की श्रीलंका स्थित अनुषंगी ने ईंधन की कीमतों में इजाफे का हवाला देकर शनिवार को पेट्रोल की कीमत 20 रुपये और डीजल की 15 रुपये तक बढ़ा दी। लंका इंडियन ऑयल कंपनी (एलआईओसी) ने इस महीने ईंधन के दाम दूसरी बार बढ़ाए हैं।इसके बाद श्रीलंका में पेट्रोल के दाम 204 रुपये प्रति लीटर और डीजल के 139 रुपये प्रति लीटर है। श्रीलंकाई वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे नई दिल्ली के साथ और आर्थिक राहत बंदोबस्त पर बात करने भारत के दौरे पर आने वाले थे लेकिन यह दौरा अभी और टल गया है। इस बीच एलआईओसी ने दामों में बढ़ोतरी कर दी। बासिल राजपक्षे और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे इस सप्ताह के अंत में दिल्ली के लिए रवाना होने वाले थे।

प्रतिबंध से नाराज पुतिन ने फ्रेंच गुएना से अंतरिक्ष संबंधी काम रोके

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन से युद्ध करने पर यूरोपीय देशों ने रूस पर कुछ प्रतिबंध लगाए हैं। इससे नाराज रूस ने सख्त कदम उठाकर फ्रेंच गुएना से अंतरिक्ष संबंधी सभी कार्यक्रमों को रोक दिया है। कोरोऊ कॉस्मोड्रोम से लांच रोक दिए गए हैं। सभी तकनीकी कर्मचारियों और इंजीनियरों को वापस बुला लिया गया है। रूसी स्पेस एजेंसी रॉसकॉसमॉस के प्रमुख डिमित्री रोगोजिन ने कहा कि हमारे ऊपर लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से हम यूरोपीय साझेदारों के साथ अपने सारे स्पेस कार्यक्रम रोक रहे हैं। कोरोऊ कॉस्मोड्रोम से अब कोई लॉन्चिंग नहीं होगी। न ही फ्रेंच गुएना में कोई तकनीकी कर्मचारी रहेगा। डिमित्री ने कहा कि रूस फ्रेंच गुएना से सारे स्पेस लॉन्चिंग रद्द कर अपने सारे कर्मचारियों को वापस बुला रहा है। इससे पहले भी स्पेस स्टेशन को लेकर अमेरिका और रूस में तनातनी और बयानबाजी हो चुकी है। नासा ने एक दिन पहले ही कहा था कि वह स्पेस स्टेशन और ऑर्बिटल लांच को लेकर रूस के साथ काम करता रहेगा। इससे पहले रोगोजिन ने कई ट्वीट करके अमेरिका से कहा कि यदि आप आईएसएस पर हमारा सहयोग बंद रकते हैं, तब फिर स्पेस स्टेशन को अनियंत्रित होने और अमेरिका या यूरोप पर कहीं गिरने से कौन बचाएगा।

डिमित्री ने कहा था कि ये भी आशंका है कि ये 500 टन का ढांचा भारत या चीन पर गिर जाए। क्या आप उन्हें इस तरह से डराना चाहते हैं?

चीन के खिलाफ भारत के साथ अमेरिका खड़ा रहेगा, न की रुस : रो खन्ना

वाशिंगटन (ईएमएस)। प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने यूक्रेन पर रूस के हमले पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लेने पर भारत के फैसले पर नाखुशी जाहिर कहा कि चीन की मौजूदा विस्तारवादी योजनाओं के खिलाफ नई दिल्ली के साथ अमेरिका खड़ा रहेगा न कि रूस खड़ा होगा। भारत, चीन और संयुक्त अरब अमीरात रूसी हमले के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र प्रायोजित प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहे,जबकि रूस ने इस पर वीटो किया। इस प्रस्ताव के पक्ष में 11 और विपक्ष में एक वोट पड़ा। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन और फ्रांस परिषद के स्थायी सदस्य हैं,उनके पास वीटो का अधिकार है। भारत इसका स्थायी सदस्य नहीं है, उसका दो साल का मौजूदा कार्यकाल इस साल खत्म हो रहा है।

कैलिफोर्निया से सांसद खन्ना ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी 1962 में चीनी आक्रमण के खिलाफ भारत के साथ खड़े रहे थे। साथ ही चीन की मौजूदा विस्तारवादी योजनाओं के खिलाफ भारत के साथ अमेरिका खड़ा रहेगा न कि रूस। भारत के लिए पुतिन के खिलाफ स्वतंत्र आवाज उठाने का वक्त आ गया है। इससे दूर रहना स्वीकार्य नहीं है। खन्ना के विचारों से सहमति जताकर कांग्रेस सदस्य एरिक स्वालवेन ने भी भारत के कदम को निराशाजनक'' बताया। उन्होंने कहा, रो खन्ना और मैं सबसे बड़े भारतीय-अमेरिका जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं और हमने अपने लोगों से जो सुना है, यह वोट उसके विपरीत है। भारतीय-अमेरिकी क्षेत्रीय अखंडता और मानवाधिकारों में यकीन रखते हैं।''

सोलर ऑर्बिटर प्रोब ने सूरज पर बड़े विस्फोट को किया कैद

-सूर्य पर हुए भयानक विस्फोट की 'ऐतिहासिक तस्वीर' खींची

पेरिस (ईएमएस)। सोलर ऑर्बिटर प्रोब ने सूरज पर एक बड़े विस्फोट को कैमरे में कैद किया है। यह फुल सोलर डिस्क के साथ कैमरे में कैद अब तक का सबसे बड़ा विस्फोट है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के अनुसार, रेडिएशन का विस्फोट पृथ्वी की तरफ सूर्य पर हुआ और लाखों मील अंतरिक्ष में फैल गया। यह विस्फोट 15 फरवरी को हुआ था और सोलर ऑर्बिटर के 'फुल सन इमेजर' ने इसे कैमरे में कैद किया।

एफएसआई को सूर्य के निकट परिक्रमा के दौरान फुल सोलर डिस्क को देखने के लिए डिजाइन किया गया है। 26 मार्च को सोलर ऑर्बिटर प्रोब सूर्य के निकटतम बिंदु पर होगा। इस दौरान इसकी दूरी सूर्य-पृथ्वी की दूरी के लगभग 0.3 गुना से भी कम होगी। इस दौरान टेलिस्कोप में सूर्य का एक बड़ा हिस्सा कैद हो जाएगा। वर्तमान में सूर्य के आसपास कई स्पेसक्राफ्ट मौजूद हैं, जो 3.5 मिलियन किमी की दूरी से सूर्य की अद्भुत तस्वीरें धरती तक पहुंचाते हैं। ईएसए और नासा के एसओएचओ सैटेलाइट जैसे दूसरे स्पेस टेलिस्कोप भी इस तरह की सौर गतिविधियां कैमरे में कैद कर चुके हैं। लेकिन ये या तो सूर्य के बेहद पास हैं या बहुत दूर जिस वजह से इन पर लगे कैमरे सूर्य की फुल डिस्क की तस्वीर नहीं खींच पाते। इसीलिए सोलर ऑर्बिटर ने जिस विस्फोट को देखा है वह अपनी तरह की अब तक की सबसे बड़ी घटना है जिसे सोलर डिस्क के साथ एक ही फ्रेम में देखा गया है। वैज्ञानिकों ने कहा कि इसने पहली बार नई संभावनाओं को खोल दिया है कि कैसे इस तरह की घटनाएं सोलर डिस्क से जुड़ी होती हैं। नासा के पार्कर सोलर प्रोब जैसे दूसरे स्पेस मिशन ने भी इस घटना को देखा। अगले हफ्ते, सोलर ऑर्बिटर और पार्कर सोलर प्रोब पार्कर के पेरिहेलियन पैसेज के दौरान एक साथ ऑब्जर्वेशन करेंगे।

यूक्रेन के बाद पुतिन की फिनलैंड को धमकी, नाटो में शामिल होने पर होगा भंयकर परिणाम

हेलसिंकी (ईएमएस)। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस ने पड़ोसी देश फिनलैंड को भी धमकी दी है। रूस ने कहा है कि अगर यूक्रेन पर आक्रमण के बाद फिनलैंड नाटो में शामिल होता है, तब इसके बुरे परिणाम भुगतने पड़े सकते हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की घोषणा कर दी थी। हालांकि, रूस के इस कदम का कई पश्चिमी देशों ने विरोध किया है। रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने शुक्रवार को पड़ोसी फिनलैंड को यूक्रेन पर हमले के बाद नाटो में शामिल होने का विकल्प चुनने पर 'गंभीर सैन्य और राजनीतिक' नतीजों की चेतावनी दी है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने कहा कि फिनलैंड के नाटो में जुड़ने के 'नुकसानदायक नतीजा होगा। फिनलैंड की प्रधानमंत्री सना मारिन ने कहा कि नाटो की सदस्यता को लेकर देश के भीतर जारी बहस यूक्रेन पर आक्रमण के बाद 'बदल जाएगी। इसके अलावा मारिन और राष्ट्रपति सौली नीनिस्तो ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा की है। नीनिस्तो ने नाटो की सदस्यता के लिए तत्काल आवेदन के जरिए घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने की संभावनाओं से इनकार किया है।

रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव पर वीटो कर दिया है, जिसमें मॉस्को से यूक्रेन पर हमला रोकने और सभी सैनिकों को वापस बुलाने की मांग की गई है। अमेरिका और उसके समर्थक जानते थे कि यह प्रस्ताव विफल हो जाएगा, लेकिन उन्होंने दलील दी कि इससे रूस अंतरराष्ट्रीय रूप से अलग-थलग पड़ेगा।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शुक्रवार को इस प्रस्ताव के पक्ष में 11 और विपक्ष में एक मत पड़ा।चीन, भारत और संयुक्त अरब अमीरात मतदान से दूर रहे।

यूक्रेन- कीव में बम धमाकों का कोहराम, सैकड़ों लोगों की मौत, हजारों हताहत, लाखों ने अपने घर छोड़े

-यूरोप में व्यापक युद्ध की आशंका पैदा हो गई

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूसी सैनिकों का हमला जारी है। सरकारी इमारतों के निकट गोलीबारी और बम धमाकों और धुएं का गुबार दिख रहा है। रूस की इस कार्रवाई से यूरोप में व्यापक युद्ध की आशंका पैदा हो गई है वहीं उसे रोकने के लिए दुनियाभर में प्रयास भी शुरू हो गए हैं। युद्ध से सैकड़ों लोगों के हताहत होने की सूचनाओं के बीच कीव में इमारतों, पुलों और स्कूलों के सामने भी गोलीबारी और विस्फोटों की घटनाएं हुई हैं। इस बात के भी संकेत बढ़ रहे थे कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन की मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश कर रहे हैं। दुनिया के नक्शे में बदलाव करने और रूस के शीतयुद्ध कालीन प्रभाव को बहाल करने के लिए यह पुतिन का अभी तक का सबसे बड़ा कदम है। हालांकि इस युद्ध में अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि यूक्रेन का कितना हिस्सा अब भी उसके कब्जे में है और कितने हिस्से पर रूस का नियंत्रण हो गया है। इस बीच क्रेमलिन ने बातचीत करने की कीव की पेशकश स्वीकार कर ली लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि यह युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के प्रति नरमी दिखाते हुए किया जा रहा है, ना की मामले का कूटनीतिक हल निकालने के लिए।

पश्चिमी देशों के नेताओं ने आपातकालीन बैठक बुलाई है और यूक्रेन के राष्ट्रपति ने ऐसे हमलों को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय मदद की गुहार लगाई है क्योंकि उन्हें आशंका है कि रूस लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई उनकी सरकार को बेदखल कर सकता है। यूक्रेन में बड़े पैमाने पर लोग हताहत हो सकते हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकता है। रूस के आक्रमण का दूसरा दिन यूक्रेन की राजधानी पर केंद्रित था, जहां कई पत्रकारों ने विस्फोट की आवाजें सुनीं और कई क्षेत्रों से गोलियां चलने की सूचना भी है। यूक्रेन के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की घोषणा करते हुए पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा एवं प्रतिबंधों को नजरंदाज किया है और अन्य देशों को चेतावनी दी कि रूसी कार्रवाई में किसी प्रकार के हस्तक्षेप के प्रयास के 'ऐसे परिणाम होंगे, जो उन्होंने कभी नहीं देखे होंगे।' रूसी सेना ने कहा कि उसने कीव के बाहर एक रणनीतिक हवाई अड्डे और पश्चिम में एक शहर पर नियंत्रण कर लिया है। यूक्रेनी अधिकारियों ने यूक्रेन की ओर कम से कम 137 लोगों की मौत की सूचना दी और सैकड़ों रूसी सैनिकों के मारे जाने का दावा किया। रूसी अधिकारियों ने हताहतों का कोई आंकड़ा जारी नहीं किया है। फिलहाल मृतक संख्या को सत्यापित करना संभव नहीं हो सका है।

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कहा कि 25 नागरिकों की मौत हुई है जिनमें से ज्यादातर की मौत गोलाबारी और हवाई हमलों में हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसा माना जा रहा है कि एक लाख लोगों ने अपने घर छोड़े हैं। आशंका है कि युद्ध बढ़ने पर यह संख्या 40 लाख तक पहुंच सकती है। यूक्रेन की राजधानी कीव के खतरे में घिरने के संकेतों के बीच सेना ने शुक्रवार को कहा कि रूसी जासूसों और विध्वंसक गतिविधियों में लिप्त लोगों के एक समूह को शहर के केंद्र से लगभग पांच किलोमीटर उत्तर में देखा गया। इससे पहले, सेना ने कहा था कि रूसी सुरक्षा बलों ने दो यूक्रेनी सैन्य वाहनों पर कब्जा कर लिया है और स्थानीय होने का दिखावा कर घुसपैठ के लिए शहर की ओर बढ़ रहे हैं। अमेरिका के एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि रूस एम्फिबियस हमला (जमीन, हवा और पानी, सभी तरीकों से) कर रहा है और हजारों की संख्या में रूसी नौसैनिक अजोव सागर से मारीयूपोल की ओर बढ़ रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन की हवाई रक्षा कमजोर हो गई है, वहीं रूस ने यूक्रेन के आसपास जितनी सेना और उपकरण एकत्र किए थे, उसका एक तिहाई हिस्सा यूक्रेन में प्रवेश कर चुका है। आधिकारिक अनुमान है कि रूस ने यूक्रेन पर 200 से ज्यादा मिसाइलें दागी हैं, जिनमें से कुछ ने आवासीय क्षेत्रों को निशाना बनाया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कीव की ओर बढ़ रहे रूसी सैनिकों का एक बड़ा हिस्सा अभी भी सिटी सेंटर से 50 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर हैं। जेलेंस्की ने पश्चिमी ताकतों से अनुरोध किया है कि वे रूस की अर्थव्यवस्था को चौपट करने के लिए जल्दी काम करें और यूक्रेन की सैन्य मदद करें। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने बृहस्पतिवार की रात यूरोपीय नेताओं से फोन पर बातचीत में अपना ठिकाना गुप्त रखा और कहा कि फिलहाल वह रूस के निशाने पर हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि कीव की 'संभवतः घेराबंदी कर ली गई है।' अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर अपनी पसंद की सरकार थोपना चाहते हैं।

राहुल ने कहा - 'हाथ पकड़ना और हाथ मिलाना भाजपा का काम, हमें किसी का पैर पकड़ने की जरूरत नहीं'

द्वारका (ईएमएस)। द्वारका में चल रहे कांग्रेस के तीन दिवसीय चिंतन शिविर में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि हाथ पकड़ना और हाथ मिलाना भाजपा का काम है, हमें किसी का पैर पकड़ने की जरूरत नहीं है। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिसको ले जाना हो ले जाओ।

उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं को 'कौरवोंठ सूची बनाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग सिर्फ एसी में बैठकर मौज करते हैं और लंबे भाषण देते हैं और दूसरों के लिए परेशानी पैदा करते हैं। राहुल ने कहा आखिर में ये लोग भाजपा में शामिल हो जाते हैं।

इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात भाजपा की राजनीति से पीड़ित है। छोटे और कुटीर उद्योग यहां की ताकत थे, नरेंद्र मोदी ने उसे भी नष्ट कर दिया। अब गुजरात को कुछ गिने-चुने लोग ही चलाते हैं। गुजरात कांग्रेस के प्रभारी अध्यक्ष को राहुल गांधी ने सलाह देते हुए कहा कि गुजरात के लिए एक विजन बनाएं। हमें गुजरात के लोगों को अपने काम की योजनाओं को बताना होगा। पीएम मोदी पर तंज कसते हुए राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा गुजरात मॉडल की बात करते हैं लेकिन इस गुजरात मॉडल में बेड और ऑक्सीजन सिलेंडर क्यों नहीं मिला।

राहुल गांधी ने अपने संबोधन के दौरान कृष्ण भगवान का उदाहरण देते हुए मोदी सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि सच्चाई की लड़ाई लड़ने के लिए सिर्फ 4-5 लोग ही चाहिए। राहुल ने कहा कि गुजरात सिखाता है कि एक तरफ सत्ता हो सीबीआई हो, ईडी हो, मीडिया हो, अच्छे कपड़े हो, कुछ भी हो कोई फर्क नहीं पड़ता, अगर दूसरी तरफ सच्चाई है तो। इस मौके पर उन्होंने महात्मा गांधी का भी उदाहरण दिया।

उन्होंने कहा, ठगुजरात के लोगों को हमें कांग्रेस की लिस्ट दिखानी है कि एक तरफ काम के लोग हैं। ऐसे लोग जो 24 घंटे लगे रहते हैं, जनता के लिए लाठी खाते हैं। ये लोग भविष्य में गुजरात को रास्ता दिखाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस में काम कौन करता है और बोलता कौन है, इस पर डिस्कनेक्ट है।ठ

ज्ञात रहे कि गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस ने 25 से 27 फरवरी तक द्वारका में चिंतन शिविर का आयोजन किया है। इस चिंतन शिवर में राहुल गांधी ने शिरकत की।

देवभूमि द्वारका के जगत मंदिर में भगवान द्वारकाधीश की पूजा-अर्चना करते कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पहुंचे देवभूमि द्वारका, चिंतन शिबिर में शिरकत करेंगे

देवभूमि द्वारका (ईएमएस) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आज देवभूमि द्वारका पहुंच गए हैं। देवभूमि द्वारका में राहुल गांधी का मणियारा रास गरबा के साथ भव्य स्वागत किया गया। देवभूमि द्वारका में चल रही कांग्रेस की चिंतन शिबिर में भाग लेने पहुंचे राहुल गांधी का तीन स्थलों पर परंपरागत संस्कृति से स्वागत किया गया। जिसके बाद राहुल गांधी भगवान द्वारकाधीश के मंदिर पहुंचे। जहां भक्तिभाव से भगवान द्वारकाधीश की पूजा-अर्चना की। मंदिर में दर्शन के बाद राहुल गांधी कांग्रेस की चिंतन शिबिर में शिरकत करेंगे और विभिन्न मुद्दों को लेकर मंथन करेंगे। गुजरात की मौजूदा स्थिति महंगाई, बेरोजगारी समेत आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियां और कांग्रेस छोड़ रहे नेताओं पर भी राहुल गांधी प्रदेश कांग्रेस के नेताओं की साथ चर्चा कर मार्गदर्शन देंगे।

राहुल गांधी का दलबदलुओं पर बड़ा बयान, कहा-ऐसे लोग भाजपा को गिफ्ट कर दो

देवभूमि द्वारका (ईएमएस) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज दलबदलुओं को लेकर बड़ा बयान दिया है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस से भाजपा जितने नेता चाहे ले जाने दो और उसके बाद कुछ ऐसे लोगों का एक पैकेज बनाकर भाजपा को गिफ्ट कर दो। यह कोई चुनावी समस्या नहीं है, हम यह चुनाव जीत चुके हैं। समय यह है कि आप उसे मानने को तैयार नहीं हैं। आप लोग यहां लड़ते हो, इसलिए मोदी के खिलाफ आत्मविश्वास कम है। गुजरात विधानसभा से पूर्व भगवान श्रीकृष्ण की नगर देवभूमि द्वारका में आयोजित कांग्रेस की तीन दिवसीय चिंतन शिबिर को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि जब कभी भी मैं गुजरात आता हूं मुझे अच्छा लगता है और कुछ सीखने को मिलता है। गुजरात कांग्रेस यूनिक तरीके से काम करती है। कांग्रेस को विचारधारा और दिशा गुजरात ने दी है। नेहरू, सरदार पटेल और गांधी जी ने मार्गदर्शन दिया है। उन्होंने कहा कि मेरे परदादा नेहरू ने गांधी जी के बारे में एक पत्र लिखा था। जिसमें उन्होंने लिखा- ''मैं सच्चा हूं और गांधी जी गलत हैं। पत्र में यह भी लिखा था कि मेरा दिल कहता है गांधी जी सच्चे हैं'' राहुल गांधी ने कांग्रेस को पांडव और भाजपा कौरव बताया। उन्हों ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण सत्य के साथ थे, जबकि उनकी सेना कौरवों के साथ थी। आज हमारे पास कुछ नहीं है। लेकिन उनकी सेना स्वरूप ईडी, सीबीआई और मीडिया इत्यादि हैं। यदि आपको सत्य की लड़ाई लड़नी है तो केवल चार से पांच लोगों की जरूरत होगी। चिंतन शिबिर में राहुल गांधी ने कांग्रेस के ऐसे नेताओं को भी आडे हाथ लिया जो एसी ऑफीस में बैठकर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात कांग्रेस के कई नेता एसी ऑफीस में बैठकर काम करते हैं और ये सभी मेरी नजर में हैं। जल्द ही ऐसा नेताओं को साइडलाइन किया जाएगा। अगर ऐसे नेता अब भी नहीं सुधरे तो उनका पैकेज बनाकर भाजपा में धक्का मार देंगे। कोरोना महामारी को लेकर राहुल गांधी ने सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि गुजरात में हजारों लोगों की मौत हुई है, इसके बावजूद गुजरात मॉडल की बड़ी बड़ी बातें की जाती हैं। ऐसे गुजरात मॉडल में कोरोनाकाल के दौरान बेड और ऑक्सीजन सिलिंडर नहीं मिले। उन्होंने कहा कि लघु और मध्यम उद्योग गुजरात की ताकत थी, जिसे नरेन्द्र मोदी ने तोड़ दी है। आज 4-5 लोग ही गुजरात चला रहे हैं। गुजरात की जनता कांग्रेस को वोट देती है, तब उन्हें यह समझाना जरूरी है कि कांग्रेस क्या करना और कैसे करना चाहती है। कांग्रेस को वोट देनेवालों की भी हमें पहचान करनी होगी। बता दें कि देवभूमि द्वारका में गुजरात कांग्रेस की तीन दिवसीय चिंतन शिबिर का प्रारंभ हुआ है। शिबिर के दूसरे दिन राहुल गांधी ने भी इसमें शिरकत की। शनिवार की सुबह राहुल गांधी के देवभूमि द्वारका पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। राहुल गांधी ने भगवान द्वारकाधीश मंदिर में पूजा-अर्चना की और उसके बाद माधव डाइनिंग होल पहुंचे। जहां गुजराती भोजन करने के बाद चिंतन शिबिर में शामिल हुए। चिंतन शिबिर में राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल, गुजरात कांग्रेस के प्रभारी डॉ.रघु शर्मा, प्रदेश प्रमुख जगदीश ठाकोर, विपक्ष के नेता सुखराम राठवा के अलावा भरतसिंह सोलंकी, हार्दिक पटेल, अमित चावडा, परेश धानाणी, अर्जुन मोढवाडिया समेत पार्टी पदाधिकारी शामिल हैं।

गुजरात में कोरोना के 230 नए मामले, 491 हुए ठीक, रिकवरी रेट 98.92 प्रतिशत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। राज्य के तीन कॉर्पोरेशन और जिले में डबल डिजीट और 22 जिले 3 कॉर्पोरेशन में कोरोना के मामले एक अंक में सिमट गए हैं। वहीं 10 जिले 2 कॉर्पोरेशन में शनिवार को कोरोना का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ। पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 98 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 22, वडोदरा में 16 और राजकोट कॉर्पोरेशन में 11 मामले सामने आए। जबकि 22 जिले और 3 कॉर्पोरेशन में 1 से 8 तथा 10 जिले और 2 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में सामने नहीं आया। इस दौरान 491 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। राज्य में रिकवरी रेट 98.92 प्रतिशत हो गया है और अब तक 1209148 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। पिछले 24 घंटों में केवल वडोदरा में दो मरीजों की मौत हुई है। इसी के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10926 पर पहुंच गया। कोरोना के राज्य में 2275 सक्रिय मरीजों में 23 वेन्टीलेटर पर हैं और 2252 लोग स्टेबल हैं। शनिवार को राज्य में 91689 नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया। जिसमें 15 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 18 को दूसरा टीका लगाया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 2041 को पहला और 5826 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया। 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 9032 को पहला और 32814 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। 15 से 18 वर्षीय 2314 किशोरों को पहली और 30187 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। जबकि 9442 नागरिकों को बूस्टर डोज दिया गया। अब तक राज्य में 102924674 नागरिकों का वैक्सीनेशन हो चुका है।

15 लाख के कथित रिश्वत मामले में प.रे. के मुख्य प्रोजेक्टर डायरेक्टर समेत तीन गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रु. 15 लाख के कथित रिश्वत मामले में पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रोजेक्ट डायरेक्टर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही सीबीआई ने अहमदाबाद, मुंबई और पटना में आरोपियों और उनसे जुड़े लोगों के घर पर सर्च कर महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए होने की जानकारी है। जानकारी के मुताबिक मुंबई स्थित प्राइवेट कंपनी के उप महाप्रबंधक ने आरोप लगाया था कि पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने अहमदाबाद में अपने कार्यकाल के दौरान रु. 15 लाख की रिश्वत मांगी थी। गुजरात के वांकानेर में ट्रेक्शन सब स्टेशन (टीएसएस) लाइन बिछाने और नींव के लिए कंपनी की ओर से भरी गई निविदा कंपनी के पक्ष में पास कराने की एवज में रिश्वत की मांगी थी। रिश्वत की रकम हवाला के जरिए अहमदाबाद भेजी गई, जहां प्राइवेट कंपनी के कर्मचारी ने हासिल कर पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रोजेक्ट डायरेक्टर तक पहुंचाई थी। फिलहाल सीबीआई ने पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रोजेक्ट डायरेक्टर और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के साथ ही इनसे जुड़े लोगों के यहां सर्च किया, जिसमें कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं।

राहुल गांधी ने सीबीआई, ईडी की तुलना कौरवों के 100 भाइयों से की

अहमदाबाद (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुजरात के द्वारका में कांग्रेस के चिंतन शिविर को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गुजरात में मुझे हमेशा कुछ-न-कुछ सीखने को मिलता है, क्योंकि आप लोग बहुत ही अनोखे ढंग से काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी गुजरात से पैदा हुई है। उस वक्त हर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी उठी थी। विचारधारा और पार्टी की दिशा एक गुजराती ने दी थी। उसमें नेहरू जी, सरदार पटेल, सुभाषचंद्र बोस इत्यादि लोग थे। लेकिन पार्टी को दिशा महात्मा गांधी ने दिखाई थी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता गांधी और बाकी के नेताओं में बहुत ज्यादा फर्क था। मेरे परदादा गांधी जी के साथ काम करते थे और मैंने उनकी एक चिट्ठी पढ़ी थी। नेहरू जी चिट्ठी में लिखते हैं कि एक मामले को लेकर मेरी गांधीजी के साथ बातचीत हुई है और मेरा मत कह रहा है कि इस मामले में गांधी जी गलत बोल रहे हैं, लेकिन मैं अंदर से जानता हूं कि मेरा दिमाग जो कह रहा है कि वहां गलत हैं और वहां मैं सही हूं लेकिन मैं जानता हूं कि वहां सही हैं और मैं गलत हूं। इसी बीच राहुल गांधी ने भगवान कृष्ण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब लड़ाई हुई, तब भगवान कृष्ण ने बड़ी होशियारी के साथ सवाल पूछा कि तुम्हें सेना चाहिए या फिर कृष्ण चाहिए। यह कोई मामूली सवाल नहीं बल्कि बहुत ही गहरा सवाल है। इस सवाल के माध्यम से कृष्ण भगवान यह पूछ रहे थे कि तुम्हें सच्चाई की लड़ाई लड़नी है या फिर छूठ की। अगर सच्चाई की लड़ाई लड़नी है, तब सिर्फ 4-5 लोगों की जरूरत है और अगर छूठ की लड़ाई लड़नी है,तब सबकुछ उठाकर ले जाओ।

उन्होंने कौरवों के 100 भाईयों की तुलना सीबीआई, ईडी इत्यादि से की। उन्होंने कहा कि गुजरात हमें यह सिखाता है कि एक तरफ सत्ता, सीबीआई, ईडी, मीडिया, कौरव हो तो कुछ फर्क नहीं पड़ता है, क्योंकि वह माया है और दूसरी तरफ सच्चाई। उन्होंने गांधी जी की तस्वीर की तरफ ध्यान केंद्रित करते हुए कहा कि सच्चाई ऐसी होती है। राहुल गांधी ने कहा कि करता कौन है और बोलता कौन है। इस पर कांग्रेस में डिस्कनेक्ट है। एक तरफ़ कांग्रेस में वहां लोग हैं, जो 24 घंटे लगे रहते हैं, लाठी खाते हैं। दूसरी तरफ वहां है जो एसी में बैठते हैं, मौज करते हैं और लंबे भाषण देते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोगों को हमें कांग्रेस की लिस्ट दिखानी है कि एक तरफ काम के लोग हैं, ये लोग गुजरात को रास्त दिखा देने वाले है। दूसरी तरफ़ वे लोग हैं, जो परेशानी पैदा करते हैं।

यूक्रेन में फंसे स्टूडेंट ने बताया ३५ किमी पैदल चलकर सीमा तक पहुंचे

अहमदाबाद, २६ फरवरी।

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार की सराकर की एडवाइजरी के मुताबिक भारतीय छात्र पोलैंड सीमा से लौटने की कोशिश कर रहे हैं। इस समय पोलैंड की सीमा पर सैकड़ों की संख्या में भारतीय स्टूडेंट्स जमा हैं। लेकिन स्टूडेंट्स को बॉर्डर तक पहुंचने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। एक स्टूडेंट ने बताया कि हम ३५ किमी पैदल चलकर यूक्रेन की सीमा तक पहुंचे हैं। हमें कहीं से भी कोई मदद नहीं मिल रही। यूक्रेन की सीमा पर फंसे ने स्टूडेंस बताया कि स्टूडेंट्स भारत सरकार की एडवाइजरी लीव यू सिटी के तहत यूक्रेन बॉर्डर तक पहुंचा हूं। अभी भी पोलैंड की सीमा तक पहुंचने के लिए ३५ किमी पैदल चलकर ही जाना होगा।

हम लोग कल शाम ४ बजे बॉर्डर के लिए निकले थे। लगातार चलने के बाद अब तक ३५ किमी का पैदल सफर तय कर चुके हैं। खौफ के बीच यह कड़ाके की ठंड से भी हालत खराब होती जा रही है। हालांकि, अब मेरे कुछ दोस्तों ने यूक्रेन की सीमा पार कर ली। अब लेकिन पोलैंड सीमा पर कोई भारतीय दूतावास नहीं है।

हत्यारा फेनिल के खिलाफ आरोप तय किए गए

फेनिल की सोमवार से फास्ट ट्रैक कोर्ट में रोजाना सुनवाई होगी

हमने कोर्ट में सबूत के साथ दस्तावेज पेश कर दिया है और सोमवार से सुनवाई शुरू होगी : सरकार के वकील

सूरत, २६ फरवरी।

सूरत शहर में हुए ग्रीष्मा वेकरिया मर्डर केस के आरोपी फेनिल गोयाणी सूरत पुलिस के सामने निराश होने के बाद अब कोर्ट में अपना अपराध कबूल करने का इनकार कर रहा है। ऐसे में केस की गंभीरता को देखते हुए यह हत्या केस को फास्ट ट्रेक कोर्ट में चलाने का निर्णय लिया गया है। सोमवार से इस केस में आरोपी को जल्दी से जल्दी सजा मिले इसके लिए फास्ट ट्रेक कोर्ट में सुनवाई शुरू की जाएगी। सूरत में २१ वर्ष की कॉलेज करती लड़की की खुलेआम हत्या करने वाला आरोपी के खिलाफ का केस सप्ताह पहले फास्ट ट्रेक कोर्ट में चलाने का निर्णय लिया गया था। शुक्रवार को सुबह में आरोपी फेनिल गोयाणी जो सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल में कैद है इसे सूरत डिस्ट्रीक्ट और सेशंस कोर्ट में सुबह में पेश किया गया। आरोपी के खिलाफ तय किए गए है अब फास्ट ट्रेक कोर्ट में चलाया जाएगा।

बचाव पक्ष के वकील जमीर शेख ने कोर्ट में आरोप निश्चित हो तब तक का समय मांगा था। आरोपी फेनिल के खिलाफ हत्या का अपराध लागू किया गया है, हालांकि फेनिल ने आरोपों से कबूल करने से इनकार कर दिया। राज्य सरकार के वकील नयन सुखडवाला ने कहा है कि, हमने कोर्ट में सबूत के साथ दस्तावेज पेश कर दिया है और सोमवार से सुनवाई शुरू होगी। सूत्रों ने बताया कि कार्रवाई के दौरान कोर्ट मेडिकल सबूत की जांच करेगी और यह डॉक्टरों को भी बुलाएगी जिन्होंने पोस्टमार्टम किया था और आरोपी ने बचाने के लिए बीच में आये मृतक के चाचा और छोटे भाई पर चाकू से हमला करने के बाद उनकी जिस डॉक्टरों द्वारा उपचार किया गया था। १२ फरवरी को हुई घटना में शहर के पासोदरा क्षेत्र में कॉलेज की विद्यार्थीनी की ग्रीष्मा वेकरिया की एकतरफा प्रेम में पागल फेनिल गोयाणी ने खुलेआम हत्या की थी। आरोपी फेनिल ने युवती के परिजनों और अन्य लोगों की मौजूदगी में ही युवती का गला काटकर हत्या कर दी थी। हत्या की घटना पहले बीच में आये ग्रीष्मा के चाचा और भाई पर भी फेनिल ने हमला किया जिसमें वह घायल हो गये थे।

राज्य के राजस्व मंत्री का महत्व का निवेदन

यूक्रेन में फंसे विद्यार्थियों को सुरक्षित वापस लाया जाएगा : त्रिवेदी

गांधीनगर, २६ फरवरी।

यूक्रेन में फंसे हुए गुजरात के विद्यार्थी मुद्दे पर राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने महत्व का निवेदन दिया है। उन्होंने मीडिया सामने बताया है कि, सभी विद्यार्थियों को सुरक्षित अहमदाबाद लाने की कार्रवाई की गई है। आज एक फ्लाइट भारत पहुंचेगी जिसमें गुजरात के ४४ विद्यार्थी है। यह सभी विद्यार्थियों को वोल्वो में अहमदाबाद लाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि, रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला कर देने पर अहमदाबाद सहित गुजरात से पढ़ाई के लिए यूक्रेन पहुंचे सैंकड़ों विद्यार्थियों के अभिभावक काफी चिंतित हो गये हैं। राजेन्द्र त्रिवेदी ने मीडिया सामने बताया है कि, मेरे पास २१ लोगों के मोबाइल नंबर आये है। दाहोद के भी ६ विद्यार्थियों की बात आई है। दाहोद के कलेक्टर से बात की है और कलेक्टर ने भी वहां संपर्क किया है। भारत सरकार ने यूक्रेन में फंसे हुए विद्यार्थियों को सुरक्षित वापस लाने का निश्चय किया है और इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है। आज एक फ्लाइट रात को २ बजे दिल्ली पहुंचेगी, जिसमें गुजरात के ४४ विद्यार्थी है। गुजरातियों यानी कि साहसिक और गुजरात के विद्यार्थी परेशानी का मुकाबला किया है ऐसे है। मुझे इस बात का गर्व है। उनके साथ बात करते हुए उन्होंने बताया है कि, हम सुरक्षित है भारत सरकार ने भी उनके साथ बात की है और किस तरीके से वहां से किस तरीके से वापस आना इस मामले में मार्गदर्शन दिया गया है और प्रयास अभी भी चालू है। सभी भारतीयों और गुजरात के विद्यार्थी सुरक्षित वापस आयेंगे ऐसी मुझे अपेक्षा है। गुजरात के जो ४४ विद्यार्थी आ रहे है उनके लिए नास्ता-पानी सहित की व्यवस्था की गई है। गुजरात सरकार ने हमारे विद्यार्थियों के लिए प्रोएक्टिव रोल लिया और डिजास्टर मैनेजमेंट तरफ से हमारे सभी अधिकारी दिल्ली के साथ लगातार संपर्क में है। राजेन्द्र त्रिवेदी ने मीडिया को निवेदन देते हुए कहा कि, मैं सभी विद्यार्थियों और उनके परिवार को आश्वासन देता हूं कि आप चिंता नहीं करे सभी विद्यार्थी सुरक्षित वापस आएंगे।

Aakash±BYJU'S ने गुजरात के निकोल, अहमदाबाद में अपने पहले क्लासरूम सेंटर की शुरुआत की

निकोल, अहमदाबाद, फरवरी 26, 2022: हजारों छात्रों को डॉक्टर और आईआईटीयांस बनने के उनके सपनों को साकार करने में मदद करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में अपने नेटवर्कस का विस्तार करने के मकसद को आगे बढाते हुए, टेस्ट प्रिपरेटरी सर्विससेस के क्षेत्र में नेशनल लीरि Aakash±BYJU'S ने आज निकोल, अहमदाबाद, गुजरात में अपने पहले क्लासरूम सेंटर का उद्घाटन किया। नए सेंटर में 10 क्लासरूम्स हैं जिनमें 421 छात्र बैठ सकते हैं।

सेकें. फ्लोर, यूनिट नंबर 206 से 213, बिल्डिंग सुवास स्काला, निकोल, अहमदाबाद में स्थित, क्लासरूम सेंटर फाउडेंशिन-लेवल कोसेस के साथ-साथ मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को उनकी तैयारी में मदद करेगा। फाउडेंशिन-लेवल कोसेस छात्रों के बेनसक्स को मजबूत करने के साथ ही उन्हें विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे ओलांपिया ि आकद की तैयारियों में मदद करते हैं। सेंटर कक्षा 8-12 के छात्रों के लिए गुजराती माध्यम में भी कोसेस उपलब्ि कराएगा।

चाांदखेडा, मनिनगर, आंबावाडी और एसजी हाईवे में पहले से चल रहे चार सेंटसस के बाद अहमदाबाद में Aakash±BYJU'S का यह पांचवां सेंटर होगा।

क्लासरूम सेंटर का उद्घाटन Aakash±BYJU'S के रीजनल डायरेक्ट, श्री अमित राठौड ने कराया। इस दौरान रीजनल से्स एडंग्रिोथ हेड, श्री गिरीश साविनी; क्लस्टर हेड, श्री आशीष सती और बांच मैनेजर, निकोल, गोलवांद कुमार झा भी उपस्थत थे।

श्री चौरी ने आगे कहा, ''नकोल, अहमदाबाद में अपना पहला क्लासरूम सेंटर खोलकर और गुजरात में अपने फुटलप्रांट का विस्तार करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। हमारे नेशनल नेटवकस में इस ब्ांच का जुडना स्टैंडसइज क्वालिटी टीलचांग, मॉनिस इांफ्रास्त्रक्चर और टेक्नोलॉजी-इनेडब् सिस्टम्स का उपयोग करते हुए पूरे भारत में छात्रों को लर्निंग के लिए अनुकूल वातावरि देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''

गुजरात विश्वविद्यालय में अहमदाबाद के जन्मदिन के अवसर पर शुरू हुई राजेश सागर की कलाकृतियों की प्रदर्शनी

अहमदाबाद : अहमदाबाद शहर की 611वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता राजेश सगरा की कृतियों की प्रदर्शनी 26 फरवरी से गुजरात विश्वविद्यालय पुस्तकालय में अहमदाबाद के एक संघ 'गैलरी-रा' द्वारा इनवर्ट-आर्ट के हिस्से के रूप में शुरू हो गई है- कला प्रेमियों पर आधारित है।

ले विटनेसठ नाम की प्रदर्शनी, सागर की अवधारणा के अनुसार बनाई गई मूर्तियों का एक संग्रह है। ये मूर्तियां अहमदाबाद शहर की विरासत के लिए एक श्रद्धांजलि हैं। प्रदर्शनी गुजरात विश्वविद्यालय पुस्तकालय में 26 फरवरी से 12 मार्च, 2022 तक शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक खुली रहेगी। उनके काम मुख्य रूप से स्टेनलेस स्टील, पत्थर, लकड़ी और तांबे से बने होते हैं। उनकी मूर्तियां इस बात का पता लगाने की कोशिश करती हैं कि कोई व्यक्ति अपनी पहचान और शहर के इतिहास के बीच संबंधों पर कैसे बातचीत करता है। सागर ने अपनी मूर्तियों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं और गुजरात स्टेट एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट्स से कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री सगरा ने कहा, ठले विटनेस के माध्यम से, अहमदाबाद शहर की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया है।

हायर ने 'मेक इन इंडिया' पहल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई; अपने पुणे इंडस्ट्रियल पार्क में डीप फ्रीजर फैक्ट्री का शुभारंभ किया

राष्ट्रीय, 25 फरवरी 2022: होम अप्लायंसेज और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी कंपनी और लगातार 13 वर्षों तक प्रमुख उपकरणों के क्षेत्र में दुनिया के नंबर 1 ब्रांड, हायर ने आज रंजनगांव, पुणे में अपने पहले इंडस्ट्रियल पार्क में डीप फ्रीजर बनाने के लिए अपनी नई फैक्ट्री का उद्घाटन किया। इस नई फैक्ट्री के साथ, हायर ने भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुरूप प्रीमियम और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण करते हुए, स्थानीय मैन्यूफैक्चरिंग को प्रोत्साहन देने के लिए शुरू की गईकेंद्र सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।

इसके अलावा, यह निवेश भारत में हायर की स्थिति को मजबूती प्रदान करेगा और बेहतर गुणवत्ता वाले डीप फ्रीजर उत्पादों की वार्षिक उत्पादन क्षमता को 5 लाख यूनिट तक बढ़ाएगा। हायर भारत में स्थानीय मैन्यूफैक्चरिंग के जरिये प्रीमियम प्रोडक्ट्स के उत्पादन पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। नई डीप फ्रीजर फैक्ट्री की स्थापना के साथ कंपनीस्थानीय बाजार की उभरती जरूरतों को पूरा करने वाले उत्पादों का निर्माण करने में सक्षम बनेगी। इसी तरह, यह विस्तार बेहतर बिजनेस पार्टनरशिप के लिए एक खुले मंच के रूप में काम करेगा, जिससे स्थानीय उत्पादन बढ़ेगा और उत्पादों के कम आयात के साथ व्यापक विकास संभव हो सकेगा।

उद्घाटन समारोह में, हायर ने कॉमर्शियल फ्रीजर सेगमेंट में 4 नए एसकेयू लॉन्च करने की भी घोषणा की, जो एचएफसी-350डीएम5, एचएफसी-588डीएम5-हार्ड टॉप मॉडल और एचएफसी-300जीएम5, एचएफसी-400जीएम5-फ्लैट ग्लास टॉप मॉडलहैं। इन नए एसकेयू में 50ः तक ऊर्जा बचत के लिए 5-स्टार रेटिंग और बेहतर कूलिंग दक्षता के लिए 5 साइड फ्रीजिंग मौजूद है।

माननीया केंद्रीय रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री द्वारा उधना एवं सूरत स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का उद्घाटन तथा राष्ट्र को लोकार्पण

गंगाधरा स्टेशन पर नए पार्सल टर्मिनल का भी किया उद्घाटन

माननीय केंद्रीय रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश द्वारा उधना स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में 26 फरवरी, 2022 को उधना और सूरत स्टेशनों पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर माननीय सांसद श्री सी. आर. पाटिल एवं माननीय सांसद श्री प्रभुभाई वसावा, पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री जी. वी. एल. सत्य कुमार सहित अन्य विशिष्ट अतिथि और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी उपस्थित थे।

पहली तस्वीर में माननीया रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ उधना स्टेशन पर विस्तारित दक्षिणी पैदल ऊपरी पुल का उद्घाटन करती हुईं। दूसरी तस्वीर में माननीया रेल राज्य मंत्री वेब लिंक के माध्यम से गंगाधरा स्टेशन पर नए पार्सल टर्मिनल का उद्घाटन करती हुईं। तीसरी तस्वीर में माननीया रेल राज्य मंत्री सभा को संबोधित करती हुईं तथा अंतिम तस्वीर में माननीया रेल राज्य मंत्री सूरत स्टेशन पर विभिन्न यात्री सुविधाओं के उद्घाटन के अवसर पर उद्घाटन पट्टिका का अनावरण करती हुई दिखाई दे रही हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उधना और सूरत स्टेशनों पर कई सुविधाओं की शुरुआत की गई। उधना स्टेशन पर माननीया रेल एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने नवनिर्मित प्लेटफार्म क्रमांक 4/5, प्लेटफार्म नंबर 1 पर नए एस्केलेटर और विस्तारित दक्षिणी पैदल ऊपरी पुल का उद्घाटन किया। सूरत स्टेशन पर श्रीमती जरदोश ने नए विस्तारित दक्षिणी पैदल ऊपरी पुल, प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर नए एस्केलेटर और कोच गाइडेंस सिस्टम के साथ सीसीटीवी कैमरे तथा वेब लिंक के द्वारा गंगाधरा स्टेशन पर नए पार्सल टर्मिनल का भी उद्घाटन किया। श्रीमती जरदोश ने सूरत स्टेशन पर नए कवर शेड और सुधारीकृत प्लेटफॉर्म क्रमांक 4 को भी राष्ट्र को समर्पित किया। अपने संबोधन में माननीया रेल राज्य मंत्री ने सूरत क्षेत्र के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया और रेलवे द्वारा क्षेत्र में लाए जा रहे नए और सकारात्मक परिवर्तनों का स्वागत किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन यात्री सुविधाओं से संरक्षा में बढ़ोत्तरी के साथ ही सीसीटीवी निगरानी से उनकी सुरक्षा में इजाफा होगा तथा सभी यात्रियों को आवागमन में आसानी होगी। एस्केलेटर जैसी सुविधाएं दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की आवाजाही को सुगम बनाते हुए यात्रियों की संरक्षा सुनिश्चित करेंगी। श्रीमती जरदोश ने 4 सितंबर, 2021 को न्यू उधना गुड्स शेड से पहली टेक्सटाइल एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया था। उसके बाद से पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल द्वारा 120 टेक्सटाइल एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जा चुकी हैं। समारोह के दौरान इस उपलब्धि को मनाने के लिए सौंवी टेक्सटाइल एक्सप्रेस का वीडियो दिखाया गया।

ठाकुर ने बताया कि गंगाधरा स्टेशन पर नव विकसित पार्सल टर्मिनल स्थानीय व्यापार और उद्योग को प्रोत्साहित करेगा। सूरत देश के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में से एक है और यहां पार्सल और माल ढुलाई की बहुत बड़ी संभावनाएं हैं। बाजार सर्वेक्षण किए जाने के बाद गंगाधरा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 को सामान्य लूप के रूप में परिवर्तित किया गया और पार्सल यातायात के लिए शुरू कर दिया गया है। पार्सल यातायात को देखते हुए यह नया टर्मिनल सूरत तथा चलथान टर्मिनलों पर अतिरिक्त दबाव को कम करने में सहायक होगा।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95